RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 171 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 15-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

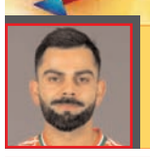

5 वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित को पीछे छोड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचे विराट कोहली

पोंगल पर्व और मकर संक्रांति की हार्दिक शुभकामनाए

7 सनातन धर्म का प्रचार करना बंद कर दूंगी : हर्षा रिछारिया

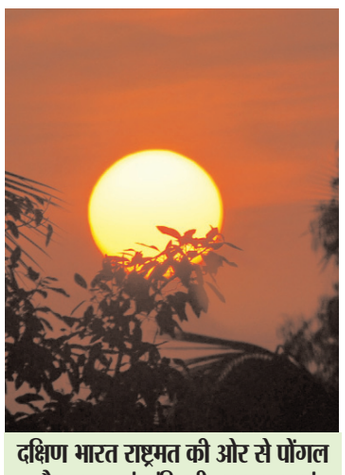

दक्षिण भारत राष्ट्रमत की ओर से पोंगल और मकर संक्रांति की शुभकामनाएं

सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के कार्यालय में पोंगल / मकर संक्रांति के अवसर पर 15 जनवरी को सम्पूर्ण अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 17 जनवरी को प्रकाशित होगा। - व्यवस्थापक

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश में मतदान अभियान 22 से शुरू होगा

ढाका/भाषा। बांग्लादेश में 22 जनवरी से कड़ी सुरक्षा के बीच चुनाव प्रचार शुरू होगा। बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होंगे, जो अगस्त 2024 में छात्रों के हिंसक प्रदर्शन में शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद पहले चुनाव होंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, संशोधित चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक, निर्वाचन अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील का निपटारा 10 से 18 जनवरी के बीच किया जाएगा। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख 20 जनवरी है। निर्वाचन अधिकारी 21 जनवरी को उम्मीदवारों की अंतिम सूची प्रकाशित करेंगे और चुनाव चिन्ह आवंटित करेंगे। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव प्रचार 22 जनवरी से शुरू होगा और 10 फरवरी को सुबह 7:30 बजे तक चलेगा। मतदान 12 फरवरी को सुबह 7:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक होगा। चुनाव आयोग (ईसी) 22 जनवरी से आठ लाख से अधिक पीठासीन और सहायक पीठासीन अधिकारियों को प्रशिक्षण देना भी शुरू करेगा, जो 12 फरवरी को जनमत संग्रह के साथ होने वाले आम चुनावों की तैयारियों का हिस्सा है।

15-01-2026 सूर्यास्त 6:01 बजे	16-01-2026 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
83,382.71	25,665.60
(-244.98)	(-66.70)

सोना	चांदी
14,827 रु.	307,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बागी हुए जो

बैठ गए चुप वे सारे क्यों,
जो नूतन कहने वाले थे।
दूर हो गए आज अचानक,
जो हमदम रहने वाले थे।
मार गया उनको लकवा जो,
हवा संग बहने वाले थे।
कर डाला विद्रोह उन्हींने,
जो सब कुछ सहने वाले थे।।

समृद्ध तमिल परंपराओं का प्रतीक है पोंगल : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

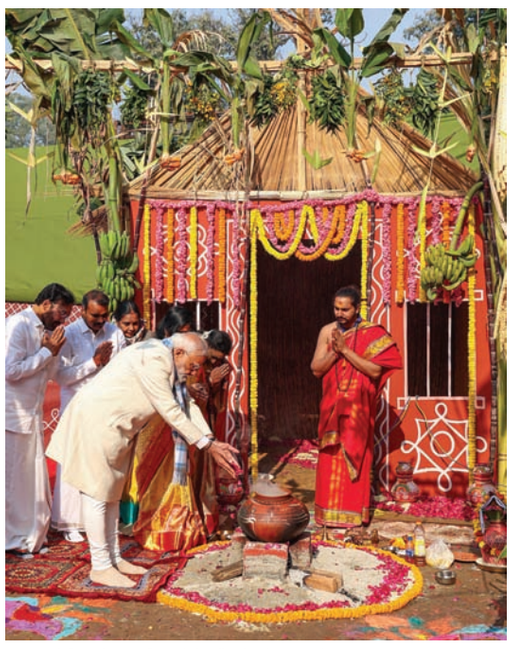

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में पोंगल पर्व के अवसर पर आयोजित समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और एल. मुरुगन की उपस्थिति में, मुरुगन के आवास पर धार्मिक अनुष्ठान करते हुए।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु के लोगों और दुनिया भर में रह रहे तमिल समुदाय के लोगों को पोंगल पर बधाई दी और कहा कि यह समृद्ध तमिल परंपराओं का प्रतीक है। तमिल और अंग्रेजी भाषा में लिखे पत्र में मोदी ने यह भी कहा कि पोंगल उन सभी लोगों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का भी अवसर है जो अपने परिश्रम से हमारे जीवन को समृद्ध बनाते हैं। उन्होंने कहा, ''प्रिय देशवासियों, नमस्कार! पोंगल के शुभ अवसर पर मैं आपको और आपके परिवार को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। यह विशेष त्योहार हमें मानव श्रम और प्रकृति के बीच घनिष्ठ संबंध की याद दिलाता है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि यह त्योहार कृषि, मेहनतकश किसानों, ग्रामीण जीवन और काम की गरिमा से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि परिवार पारंपरिक व्यंजन बनाने और खुशी साझा करने के लिए एक साथ आते हैं, इससे संबंध मजबूत होते हैं और एकजुटता की भावना प्रबल होती है। उन्होंने कहा, ''हमें इस बात पर गर्व है कि हम विश्व की सबसे प्राचीन भाषा, तमिल के जन्मस्थान हैं। पोंगल को एक वैश्विक त्योहार के रूप में उभरते देखना खुशी की बात है। तमिलनाडु में, भारत के विभिन्न हिस्सों में और विश्व भर में रह रहे तमिल समुदाय के लोग इस पर्व को पूरे उत्साह के साथ मनाते हैं।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''आप सभी को एक बार फिर पोंगल की हार्दिक शुभकामनाएं। यह त्योहार सभी के जीवन में समृद्धि, सफलता और अच्छा स्वास्थ्य लाए।''

भारत ने ईरान में मौजूद अपने नागरिकों से देश छोड़ने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को ईरान में रह रहे अपने सभी नागरिकों से उपलब्ध साधनों से देश छोड़ने को कहा, क्योंकि देश में बड़े पैमाने पर सरकार विरोधी प्रदर्शनों और प्रदर्शनकारियों पर की जा रही कार्रवाई के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति और बिगड़ गई है। भारत ने अपने नागरिकों को ईरान की यात्रा से भी बचने की सलाह दी। ईरानी मुद्रा रियाल के रिकॉर्ड निचले स्तर पर गिरने के बाद पिछले महीने तेहरान में प्रदर्शन शुरू हुए। तब से ये प्रदर्शन सभी 31 प्रांतों में फैल चुके हैं, और आर्थिक संकट के खिलाफ आंदोलन से शुरू होकर राजनीतिक परिवर्तन की मांग में तब्दील हो गए हैं। ईरान में भारतीय दूतावास ने एक नया परामर्श जारी करते हुए कहा, ''ईरान में बदलती स्थिति के मद्देनजर ईरान में मौजूद भारतीय नागरिकों (छात्रों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों और पर्यटकों) को वाणिज्यिक उड़ानों सहित परिवहन के उपलब्ध साधनों का उपयोग करके देश छोड़ने की सलाह दी जाती है।'' परामर्श में कहा गया, ''यह दोहराया जाता है कि सभी भारतीय नागरिकों और भारतीय मूल के लोगों (पीआईओ) को उचित सावधानी बरतनी चाहिए, विरोध प्रदर्शनों या रैलियों वाले क्षेत्रों से बचना चाहिए।

माघ मेला

प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित माघ मेले के दूसरे स्नान पर्व मकर संक्रांति से पूर्व बुधवार को एकादशी के अवसर पर शाम तक 85 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई।

'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी

दुश्मन के हर कदम पर कड़ी नजर : सेना प्रमुख द्विवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है और दुश्मन की हर कदम पर कड़ी नजर रखी जा रही है। जनरल द्विवेदी यहां दक्षिण पश्चिम कमान में अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश की सेना, नौसेना और वायु सेना ने मिलकर सिर्फ 22 मिनट में पाकिस्तान के नौ आतंकवादी शिविरों को 'सटीकता' से निशाना बनाया। सेना प्रमुख ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर' अब भी जारी है और दुश्मन के हर कदम पर हमने कड़ी नजर रखी हुई है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद यह स्पष्ट निर्णय किया गया था कि भारत 'निर्णायक कदम' उठाएगा।

जनरल द्विवेदी ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर' इसी संकल्प का परिणाम था। उन्होंने कहा, 88 घंटे के भीतर हमारी कार्रवाई ने पाकिस्तान को संघर्षविराम के लिए विवश कर दिया। यह राष्ट्रीय संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों के प्रति भारतीय सेना की निर्णायक क्षमताओं का स्पष्ट संकेत था।

सेना प्रमुख ने यह भी कहा, पिछले वर्ष दुनियाभर में सशस्त्र संघर्षों की संख्या और तीव्रता में तेजी से वृद्धि हुई है। यह वैश्विक बदलाव एक सरल सच्चाई को रेखांकित करते है कि जो राष्ट्र तैयार रहते है वही सफल होते हैं।

तमिल सभ्यता महान है : धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बुधवार को तमिल सभ्यता को महान सभ्यता करार देते हुए इसकी सराहना की और कहा कि फसल से जुड़ा पोंगल उत्सव देश भर में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है।

प्रधान ने बुधवार को यहां मद्रास भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के कर्मचारियों, शिक्षकों और छात्रों के साथ पोंगल के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भाग लिया।

कार्यक्रम स्थल पर एकत्रित लोगों को तमिल में संबोधित करते हुए प्रधान ने कहा, ''हमारे देश के कई हिस्सों में, हमारे देश के सभी नागरिक अलग-अलग नामों से आज फसल का त्योहार, स्थिरता का त्योहार, हमारी कृषि पृष्ठभूमि का त्योहार मनाते हैं।'' उन्होंने आईआईटी मद्रास में अपने संक्षिप्त भाषण में कहा, ''पूर्वोत्तर के असम में इसे बिहू के नाम से जाना जाता है, पंजाब में इसे लोहड़ी के नाम से जाना जाता है, गुजरात और महाराष्ट्र में, भारत के पश्चिमी भाग में इसे 'उत्तरायण' कहा जाता है और मेरे क्षेत्र पूर्वी भाग में इसे 'मकर संक्रांति' कहा जाता है। आज पूरा दक्षिण भारत पोंगल मना रहा है।'' उन्होंने कहा, ''आप सभी के साथ इस खुशी के पल को साझा करके मैं खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं, पोंगालो पोंगल!! मैं इस दिन को हमेशा याद रखूंगा। मैं पोंगल के बारे में जानता हूं, पढ़ता हूं और मुझे पोंगल खाना भी पसंद है।''

आतंकवाद-रोधी विशेषज्ञ राकेश अग्रवाल एनआईए प्रमुख नियुक्त

नई दिल्ली/भाषा। आतंकवाद रोधी विशेषज्ञ राकेश अग्रवाल को बुधवार को देश की आतंकवाद रोधी एजेंसी राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया। हिमाचल प्रदेश कैडर के 1994 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी अग्रवाल वर्तमान में एजेंसी में विशेष महानिदेशक के पद पर कार्यरत हैं। पिछले महीने सदानंद वसंत दाते को उनके मूल कैडर महाराष्ट्र वापस भेजे जाने के बाद से अग्रवाल एनआईए के महानिदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी संभाल रहे थे। दाते ने तीन जनवरी को महाराष्ट्र पुलिस प्रमुख का पदभार संभाला। उनके लौटने के बाद, अग्रवाल को अंतरिम एनआईए प्रमुख नियुक्त किया गया।

राहुल गांधी की ओर से कोई संदेश नहीं आया : शिवकुमार

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने बुधवार को स्पष्ट किया कि मीडिया में जिस तरह से कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से कोई संदेश दिए जाने की खबरें आ रही हैं, वैसा कोई संदेश उन्हें नहीं मिला है। शिवकुमार ने कहा कि राहुल गांधी ने केवल राज्य सरकार से अच्छा काम जारी रखने को कहा है। शिवकुमार कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर जारी अटकलों को भी खारिज कर दिया।

दरअसल उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था, ''प्रयास विफल हो सकते हैं, लेकिन प्रार्थनाएं नहीं'' और इसे मंगलवार शाम को राहुल गांधी के साथ हुई अपनी संक्षिप्त बातचीत से जोड़ा था। मंगलवार शाम को राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री एवं मुख्यमंत्री पद के दावेदार डी.के. शिवकुमार के साथ मुलाकात की, जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच जारी सत्ता संघर्ष को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थीं।

शिवकुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा, '' मैं कांग्रेस की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष हूं, वह (राहुल गांधी) लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं, वह पहले कांग्रेस अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा

'भारत के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करते हुए कहा कि वह रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्रों में साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और समग्र साझेदारी को मजबूत करने के लिए नयी दिल्ली के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं। भारत में 27वें अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि दोनों देशों के संबंधों में इतनी संभावनाओं और अवसरों के परिप्रेक्ष्य में भारत में काम करना उनके लिए सम्मान की बात है।

उन्होंने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक आधिकारिक समारोह में ऑस्ट्रिया, त्रिनिदाद और टोबैगो के राजदूतों के साथ अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करने के बाद ये बातें कहीं। उन्होंने कहा, ''राष्ट्रपति मुर्मू को अपना परिचय पत्र प्रस्तुत करना और अमेरिका-भारत संबंधों में इतनी संभावनाओं और अवसरों के परिप्रेक्ष्य में भारत में सेवा देना मेरे लिए सम्मान की बात है।''

गोर ने कहा, ''रक्षा, व्यापार, प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में हमारी साझा प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने और हमारे दो महान लोकतंत्रों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए मैं भारत सरकार और भारत की जनता के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हूं।''

नयी दिल्ली में अपना कार्यभार संभालने से पहले, गोर (38) व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति के सहायक थे। वह नौ जनवरी को नयी दिल्ली पहुंचे।

ग्रीनलैंड पर अमेरिकी नियंत्रण से कम कुछ भी स्वीकार नहीं : ट्रंप

नुक (ग्रीनलैंड)/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका के नियंत्रण से कम कुछ भी स्वीकार नहीं है। उन्होंने यह टिप्पणी उपराष्ट्र पति जेडी वेंस द्वारा डेनमार्क और ग्रीनलैंड के अधिकारियों की मेजबानी के लिए आयोजित वार्ता से कुछ घंटे पहले की है। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच पर एक पोस्ट में यह दलील दोहराई कि अमेरिका को ''राष्ट्रीय सुरक्षा के उद्देश्य से ग्रीनलैंड की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''इसे हासिल करने के लिए नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन)को अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए'' अन्यथा रूस या चीन इसे हासिल कर लेंगे। ट्रंप ने लिखा, ''ग्रीनलैंड के अमेरिका के हाथों में आने से नाटो कहीं अधिक शक्तिशाली और प्रभावी बन जाएगा। इससे कम कुछ भी स्वीकार नहीं है।''

ईरान में मृतकों की संख्या बढ़कर 2,572 हुई

प्रधान न्यायाधीश ने मुकदमे चलाने और फांसी के संकेत दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान के प्रधान न्यायाधीश ने सरकार विरोधी राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के दौरान हिरासत में लिए गए लोगों के खिलाफ त्वरित सुनवाई और फांसी की सजा का संकेत दिया है। वहीं, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बुधवार को कहा कि मृतकों की संख्या बढ़कर 2,572 हो गई है। ईरान के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश गुलामहुसैन मोहसेनी-एजेई ने मंगलवार को एक वीडियो में, मुकदमे चलाये जाने और फांसी की सजा के बारे में टिप्पणी की। हालांकि, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि मृत्युदंड दिए जाने की स्थिति में वह ''बहुत कड़ी कार्रवाई'' करेंगे।

इस बीच, अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी' ने बताया कि बुधवार सुबह तक मृतकों की संख्या बढ़कर 2,571 हो गई थी। यह आंकड़ा दशकों में ईरान में हुए किसी भी विरोध प्रदर्शन या अशांति में हुई मौतों की संख्या से कहीं अधिक है और देश की 1979 की इस्लामी क्रांति के दौरान फैली अराजकता की याद दिलाता है।

मृतकों की संख्या की जानकारी मिलने के बाद, ट्रंप ने ईरान के नेताओं को चेतावनी दी कि वह किसी भी प्रकार की बातचीत समाप्त कर रहे हैं और ''कार्रवाई करेंगे।''

पतंगबाजी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद में 'उत्तरायण' त्योहार के जश्न के दौरान पतंग उड़ाते हुए।

कश्मीर में मस्जिदों की जानकारी जुटाना मुसलमानों के धार्मिक मामलों में दखलंदाजी : महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को कहा कि कश्मीर में मस्जिदों और इमामों की जानकारी जुटाना मुसलमानों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि धार्मिक स्थलों के बारे में जानकारी जुटाने की जरूरत है, तो इसकी शुरुआत देश भर के मंदिरों से होनी चाहिए।

मुफ्ती ने यहां पत्रकारों से कहा, मस्जिदों के लिए जारी किया गया नवीनतम आदेश हमारे धार्मिक मामलों में दखलअंदाजी है। अगर उन्हें ऐसा करना ही है, तो उन्हें अन्य धर्मों से शुरुआत करनी चाहिए। उन्हें मंदिरों में पुजारियों के बारे में जानकारी जुटानी चाहिए, और यह पता लगाना चाहिए कि शूद्र किस मंदिर में जा सकते हैं और ब्राह्मण किस मंदिर में जा सकते हैं।

पीडीपी अध्यक्ष ने कहा कि अधिकारियों को मंदिरों में प्रवेश के लिए भुगतान की जाने वाली धनराशि के बारे में भी जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा, पुलिस के पास जम्मू-कश्मीर में मस्जिदों की संख्या और उनकी जमीन का रिकॉर्ड पहले से ही मौजूद है, लेकिन अब, मौलवियों, इमामों का विवरण, उनकी तस्वीरें, आधार कार्ड मांगना और इस तरह की जानकारी जुटाना जम्मू-कश्मीर में मुसलमानों को डराने और उन्हें उनके मजहब से दूर रखने का एक प्रयास है।

महबूबा ने कहा कि मस्जिदों के इमाम और प्रबंधन समितियां इस तरह से जानकारी जुटाने की प्रक्रिया से भयभीत हैं। उन्होंने कहा, यह पांच पन्नों का प्रपत्र इस तरह बनाया गया है कि ऐसा लगता है कि वे इमाम, मौलवी, शिक्षक या मस्जिद समितियों के सदस्य नहीं हैं, बल्कि जमीनी स्तर पर ओजीडब्ल्यू(आतंकवादियों के मददगार) हैं। जिस तरह ओजीडब्ल्यू को थाने में परेशान किया जाता है और उनसे सारी जानकारी मांगी जाती है, ठीक उसी तरह मस्जिदों से जानकारी मांगी जा रही है, मानो वे अपराध स्थल हों।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सरकार को गुरुद्वारों और गिरजाघरों से भी इसी तरह की जानकारी जुटाने की चुनौती दी। महबूबा ने कहा कि उन्हें डर है कि सरकार देश भर की मस्जिदों से भी इसी तरह की जानकारी जुटा सकती है।

पीडीपी प्रमुख ने कहा, पहले उन्होंने वक़्फ की संपत्तियों पर हाथ डाला, और अब वे उन मस्जिदों पर भी हाथ डालना चाहते हैं जो वक़्फ़ की संपत्ति नहीं हैं। वे अब अलग-अलग मज़हबी फ़िरक़ों (संप्रदायों) की जानकारी भी मांग रहे हैं। उन्होंने कहा, जिन फिरकों से हम जुड़े हैं, उनसे उनका क्या लेना-देना? मस्जिदें सभी के लिए खुली हैं, चाहे वे किसी भी फिरकों के हों। ऐसा नहीं है कि दलितों को प्रवेश की अनुमति नहीं है।

पीडीपी अध्यक्ष ने पांच सरकारी कर्मचारियों की बर्खास्तगी के बारे में कहा कि लोगों को केवल आरोपों के आधार पर गिरफ्तार किया जाता है या नौकरी से निकाल दिया जाता है। उन्होंने पूछा, क्या किसी अदालत या जांच में यह साबित हुआ है? क्या उन्हें अपनी बेगुनाही साबित करने का मौका मिला? यह सब क्या है? मुसलमानों के प्रति उनके मन में कितनी नफरत है?

कुछ भाजपा नेताओं द्वारा अलग जम्मू राज्य की मांग के बारे में पूछे जाने पर, महबूबा ने कहा कि अगर यह मांग पूरी हो जाती है तो सबसे ज्यादा नुकसान उन्हें (जम्मूवासियों को) ही उठाना पड़ेगा। उन्होंने कहा, जब 2019 में दरबार स्थानांतरण को निलंबित किया गया, तो वे बेचैन हो गए। जब वे जम्मू के लिए अलग राज्य की मांग करेंगे, तो सबसे ज्यादा नुकसान जम्मू को ही होगा।

सिंधु जल संधि पर अब्दुल्ला के बयान पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री इस मुद्दे पर भाजपा की राह पर चलना चाहते हैं।

मुफ्ती ने कहा, पानी का दुरुपयोग मानवता के विरुद्ध है। मेरा मानना है कि किसी भी देश में पानी का प्रवाह रोकना मानवता के विरुद्ध है। उमर भाजपा की ही राह पर चलना चाहते हैं।

'वोट मशीन की तरह इस्तेमाल करके अल्पसंख्यकों को किया जाता है दरकिनार': फडणवीस

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को कहा कि अल्पसंख्यक जानते हैं कि उन्हें 'वोट मशीन के रूप में इस्तेमाल किया जाता है और फिर उन्हें दरकिनार कर दिया जाता है'। उन्होंने कहा कि विपक्ष का 'वोट जिहाद' का नारा अब उनकी पार्टी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ काम नहीं करेगा।मुख्यमंत्री की ये टिप्पणियां नगर निकाय चुनावों की पूर्व संध्या पर आईं। फडणवीस ने 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे और उनके चचेरे भाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन को कोई खास तव्वजो न देते हुए कहा कि इस गठबंधन से जमीनी स्तर पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति, मुंबई नगर निकाय चुनाव जीत जाएगी। उन्होंने फिर से कहा कि 15 जनवरी को होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनावों के बाद मुंबई का मेयर महायुति गठबंधन से होगा, जो हिंदू भी होगा और मराठी भी। उन्होंने यह भी कहा कि मराठी मतदाता भाजपा के साथ मजबूती से जुड़े हुए हैं।

सिंधिया ने एसआईआर को लेकर विपक्ष पर कसा तंज 'जीते तो अच्छा, हारे तो बुरा'

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि देश में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम हर सरकार में होता है और यह कैसे हो सकता है कि वे जीते तो अच्छा और हारते हैं तो गलत हो जाता है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि यह प्रजातंत्र है और जनता का निर्णय सबके लिए सर्वोपरि है। सिंधिया ने कहा, एसआईआर का काम देश में पहली बार नहीं हो रहा है। हर सरकार में होता आ रहा है। उन्हें इस प्रक्रिया में स्वच्छता से आपत्ति है या फिर ठीक प्रकार की मतदान प्रक्रिया से। अगर कहा जाए तो हार से डर है। उन्होंने विपक्षी दलों की ओर इशारा करते हुए कहा, अब जहां वे जीतते हैं, वहां तो एसआईआर बहुत अच्छा है और हारे तो यह बुरा है। यह प्रजातंत्र है और जनता का निर्णय हम सबके लिए सर्वोपरि है। हाल ही में कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया द्वारा आरक्षित वर्ग के विधायकों और सांसदों के लिए आपत्तिजनक शब्द का प्रयोग किए जाने और इस वर्ग के लिए अलग चुनाव प्रक्रिया की मांग के बारे में पूछे जाने पर सिंधिया ने कहा कि ऐसे शब्दों का प्रयोग जनप्रतिनिधि के लिए करना निंदा जनक बात है। उन्होंने कहा, जनप्रतिनिधि अच्छा या बुरा हो, वह जनता के द्वारा चुनकर आता है। ऐसे शब्दों का प्रयोग करते हुए अपने आचरण पर थोड़ी निगाह रखनी चाहिए।

मुरैना में हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

मुरैना (मप्र)/भाषा। मुरैना जिले की पुलिस ने बानमोर क्षेत्र में हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से पिस्तौल व कारतूस बरामद किए हैं। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर बानमोर थाना पुलिस की टीम ने मंगलवार दोपहर सीतापुर-जाखोड़ा स्थित भैरव मंदिर मोड़ के पास आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से .32 बोर की 12 पिस्तौल, 20 कारतूस और आठ मैगजीन बरामद की गईं। उन्होंने बताया कि गिरोह के सदस्य खंडवा-खरगोन क्षेत्र से 10 से 15 हजार रुपए में पिस्तौल खरीदकर उन्हें ग्वालियर-मुरैना क्षेत्र में 50 से 60 हजार रुपए में बेचते थे।अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में ग्वालियर और मुरैना के कुख्यात अपराधी भी शामिल हैं, जिनके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुरैना के जौरा निवासी भानू गौड़ व मोनू उर्फ मोहन, ग्वालियर निवासी रामलखन कुशवाह, बानमोर के गंगाराम का पुरा निवासी विवेक उर्फ माफिया और राज के रूप में हुई है।मुरैना के पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ ने कहा कि इस कार्रवाई से अवैध हथियार तस्करी से जुड़े एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है।

बीते वर्ष चीन को भारतीय निर्यात में वृद्धि, व्यापार घाटा 116 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर

बीजिंग/भाषा। चीनी सीमा शुल्क ने बुधवार को यहां जारी वार्षिक व्यापार आंकड़ों में बताया कि चीन को होने वाले भारतीय निर्यात में 2025 के दौरान सालाना आधार पर 5.5 अरब डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि इस अवधि में व्यापार घाटा 116.12 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। आंकड़ों के मुताबिक 2025 में द्विपक्षीय व्यापार भी 155.62 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। चीन को होने वाला भारतीय निर्यात पिछले साल जनवरी से दिसंबर के बीच बढ़कर 19.75 अरब डॉलर हो गया। यह 9.7 प्रतिशत की वृद्धि है, जो राशि के मामले में 5.5 अरब डॉलर बैठती है। वहीं दूसरी ओर, भारत को होने वाला चीनी निर्यात पिछले वर्ष 12.8 प्रतिशत बढ़कर 135.87 अरब डॉलर हो गया।

देश में अधिक दूध देने वाली दो कृत्रिम गाय नस्लों का पंजीकरण

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने गायों की दो कृत्रिम नस्लों का पंजीकरण किया है जो 10 महीने की अवधि में 3,000 किलोग्राम से अधिक दूध देने में सक्षम हैं। यह उत्पादन देसी नस्ल वाली गायों की तुलना में बहुत अधिक है जो आम तौर पर 1,000 से 2,000 किलोग्राम दूध ही देती हैं। इसके साथ ही देश में पंजीकृत पशुधन और कुक्कुट नस्लों की कुल संख्या बढ़कर 246 हो गई है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय पशु आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो (आईसीएआर-एनबीएजीआर) की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम में 16 नई पशुधन और कुक्कुट नस्लों के पंजीकरण प्रमाणपत्र प्रदान किए।

राहुल गांधी राजनीति में अलगाववाद के 'उपयुक्त उदाहरण' हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तमिल लोगों की आवाज दबाने का आरोप लगाने के लिए कड़ी आलोचना की और उनके इस बयान को बेहद शर्मनाक और निराधार बताया।

भाजपा ने कांग्रेस सांसद को भारतीय राजनीति में अलगाववाद का एक उपयुक्त उदाहरण बताया और उनसे क्षेत्र, भाषा और जाति के नाम पर विभाजनकारी राजनीति में लिप्त होने से बचने का आग्रह किया।

भाजपा की यह टिप्पणी गांधी के उस आरोप के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि केंद्र ने अभिनेता से नेता बने विजय की फिल्म जन नायकन को रोकने की कोशिश की थी। गांधी ने इसे तमिल संस्कृति पर हमला बताया था और कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी कभी भी तमिल लोगों की आवाज को दबाने में सफल नहीं होंगे।

कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गुरु प्रकाश पासवान ने कहा कि इस बयान का वास्तविकता से कोई लेना-देना नहीं है। पासवान ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, उन्होंने (राहुल गांधी) बेहद शर्मनाक और दुखद बयान दिया है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा, राहुल गांधी भारतीय राजनीति में अलगाववाद का एक सटीक उदाहरण हैं। उन्होंने उनसे इस तरह की टिप्पणियां करने से बचने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा तमिल भाषा, संस्कृति और विरासत के प्रति दिखाई गई संवेदनशीलता अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंचों पर तमिल पहचान को बढ़ावा दिया है और हाल में 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के दौरान उत्तर भारत के छात्रों से इस भाषा को सीखने का आग्रह किया था।

पासवान ने आरोप लगाया कि अलगाववादी प्रवृत्ति और राष्ट्र-विरोधी मानसिकता वाले लोग क्षेत्र, भाषा और जाति का इस्तेमाल करके राजनीतिक तांडव करने में लगे हुए हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का पिछला रिकॉर्ड उनकी अत्यधिक असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

अपराध पता लगाने की दर गोवा में सर्वाधिक : सावंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पणजी/भाषा। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने बुधवार को कहा कि राज्य में अपराध पता लगाने की दर 86 प्रतिशत है, जो देश में सबसे अधिक है।

विपक्ष के नेता यूरी अलेमाओ के इस आरोप का जवाब देते हुए कि गोवा देश में हत्याओं की राजधानी बनता जा रहा है, सावंत ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार पुलिस की प्रतिक्रिया के समय को कम करने के लिए भी काम कर रही है।

अलेमाओ ने कहा कि 2021 में 26 हत्याएं हुईं, 2022 में 44 और 2025 में 27 हत्याएं हुईं।

सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 2021 में बलात्कार के 26 मामले, 2022 में 75, 2023 में 97, 2024 में 109 और 2025 में 102 मामले दर्ज किए गए। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा, गोवा में अपराध का पता लगाने की दर 86 प्रतिशत है, जो देश में सबसे अधिक है।

सावंत ने कहा कि वर्तमान में पीसीआर वैन के मौके पर पहुंचने का समय आठ मिनट है, जिसे पुलिस विभाग को आवश्यक सुविधाएं प्रदान करके घटाकर पांच मिनट कर दिया जाएगा। सावंत के अनुसार, बलात्कार के कई मामलों में आरोपी पीड़ित का परिचित होता है, जो शायद उसके पड़ोस में रहने वाला या उसका रिश्तेदार हो सकता है। सावंत ने बताया कि अन्य राज्यों से कई लोग गोवा में आकर बस गए हैं और पुलिस ने किरायेदारों के सत्यापन के लिए एक व्यापक अभियान शुरू किया है।

पोंगल

नई दिल्ली में 'पोंगल' त्योहार के मौके पर एक कल्चरल प्रोग्राम के दौरान कलाकार परफॉर्म करते हुए।

बजट में पूंजीगत व्यय 10-15 प्रतिशत बढ़ने की संभावना, निजी क्षेत्र अब भी सतर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निजी क्षेत्र के सतर्क बने रहने के बीच सरकार आगामी बजट में पूंजीगत व्यय पर अपना ध्यान जारी रख सकती है और इसमें मौजूदा 11.21 लाख करोड़ रुपए से 10-15 प्रतिशत की वृद्धि हो सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, आगामी बजट में सार्वजनिक पूंजीगत व्यय बढ़ाने के लिए काफी गुंजाइश होगी और सरकार को इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए। वित्त वर्ष 2026-27 का आम बजट एक फरवरी को संसद में पेश किया जाएगा।

पीडब्ल्यूसी (पीडब्ल्यूसी) के भागीदार और आर्थिक सलाहकार सेवा प्रमुख रानेन बनर्जी ने पीटीआई-भाषा से कहा, मेरा मानना है कि अर्थव्यवस्था में पूंजीगत व्यय को खपाने की क्षमता बहुत अधिक नहीं है। यदि आप इसे रातों-रात 30 प्रतिशत बढ़ाना चाहते हैं, तो यह नहीं होने वाला है, क्योंकि इसके लिए आपको निर्माण कंपनियों की क्षमता, भारी मशीनरी की क्षमता और बहुत सारी मशीनों की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा, इसलिए, यह रातों-रात 30 प्रतिशत नहीं बढ़ सकता। हमारा मानना है कि पूंजीगत व्यय में लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद की जा सकती है और हम लगभग 12,000 अरब रुपए के आवंटन की उम्मीद कर रहे हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2025-26 के लिए पूंजीगत व्यय के रूप में 11.21 लाख करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव रखा था। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर के अनुसार निजी पूंजीगत व्यय के साथ समस्या यह रही है कि यह असमान है, और सभी क्षेत्रों में धीमा नहीं है।

सीमेंट और इस्पात जैसे पारंपरिक क्षेत्र विस्तार के लिए पैसा लगा रहे हैं, क्योंकि यह अतिरिक्त क्षमता बढ़े हुए सार्वजनिक निवेश का परिणाम है, जो निजी क्षेत्र के लिए मांग पैदा कर रहा है। उन्होंने कहा कि डेटा सेंटर, इलेक्ट्रिक वाहन और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे नए क्षेत्रों में काफी सकारात्मकता और पूंजीगत व्यय में वृद्धि देखी जा रही है, जबकि निर्यात उन्मुख क्षेत्र और आयात से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने वाले क्षेत्र अधिक चुनौतीपूर्ण स्थिति का सामना कर रहे हैं।

नायर ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में उच्च सरकारी पूंजीगत व्यय की दिशा में काफी तेजी देखी जाएगी।

सेल्फी

पश्चिमी जापान के नारा में एक पार्क में हिरण के खाने का इंतज़ार करते हुए टूरिस्ट अपनी सेल्फी के लिए पोज़ देते हुए।

पाकिस्तान आंतरिक मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए सीमा पर शरारत कर रहा : लद्दाख के उपराज्यपाल

जम्मू/भाषा। लद्दाख के उपराज्यपाल कविंदर गुप्ता ने बुधवार को कहा कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक समस्याओं, खासकर अपनी खराब वित्तीय स्थिति से ध्यान हटाने के प्रयास में ड्रोन भेजने सहित सीमा पर शरारत कर रहा है।

यहां 'पीटीआई वीडियो' से बात करते हुए गुप्ता ने शक्सगाम घाटी पर चीन के दावे को भी खारिज कर दिया और कहा, यह 1962 का भारत नहीं है। यह 2026 का भारत है और उन्हें यह समझना चाहिए।

सीमापार कम से कम आठ आतंकी शिविरों के सक्रिय होने के सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के बयान को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए, उपराज्यपाल ने कहा कि पाकिस्तान को अपने गलत व्यवहार की सज़ा भुगतनी पड़ेगी।

गुप्ता ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। अगर पाकिस्तान इस तरह की गतिविधियां जारी रखता है, तो उसे इसके परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने कहा, बलूचिस्तान, सिंध, कराची और पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर जैसे स्थानों पर जिस तरह से अलगाववाद की आवाजें उठ रही हैं, उससे पाकिस्तान का अस्तित्व लंबे समय तक नहीं टिक पाएगा और उसका विघटन अपरिहार्य है।

सीमा पार से लगातार हो रही ड्रोन गतिविधियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि सेना और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पूरी तरह से सतर्क हैं और प्रभावी जवाबी कार्रवाई करने में सक्षम हैं।

रविवार को, नौशेरा सेक्टर की सुरक्षा कर रहे कर्मियों ने गानिया-कलसियन गांव के ऊपर ड्रोन गतिविधि देखने के बाद मध्यम और हल्की मशीन गनों से गोलीबारी की।

उसी दिन, तेरियाथ के खब्बर गांव, राजौरी के कलाकोट, पुंछ जिले के मनकोट क्षेत्र के तैन-टोपा और सांबा के रामगढ़ सेक्टर के चक बाबराल गांव के ऊपर भी ड्रोन की गतिविधि देखी गई। हालांकि, ये ड्रोन कुछ ही मिनटों में वापस लौट गए।

उन्होंने कहा, पाकिस्तान जानबूझकर अपनी आंतरिक समस्याओं, विशेषकर अपनी खराब वित्तीय स्थिति से ध्यान हटाने का प्रयास कर रहा है। हालांकि, ऐसे प्रयास सफल नहीं होंगे और भारत ऐसा होने भी नहीं देगा।

शाक्सगाम को लेकर चीन के हालिया बयान पर उन्होंने कहा, इस तरह का कोई भी दुस्साहस गलत है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश के संबंध में अक्सर बयान दिए हैं, लेकिन यह 1962 का भारत नहीं है - यह 2026 का भारत है, और उन्हें यह समझना चाहिए।

भारत द्वारा पिछले सप्ताह की गई टिप्पणियों के बाद, चीन ने सोमवार को शक्सगाम घाटी पर अपने क्षेत्रीय दावों को दोहराया।

डुबकी

मंडी में बुधवार को तत्तापानी में 'मकर संक्रांति' त्योहार के मौके पर भक्त डुबकी लगाते हुए।

पोंगल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बुधवार को चेन्नई में सचिवालय में आयोजित समानता पोंगल उत्सव में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन। उन्होंने पोंगल मनाते हुए सचिवालय के अधिकारियों को पोंगल वितरित किया। इस उत्सव में उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन, मंत्री पेरुमाकल, मुख्य सचिव एन. मुरुगनंथम, आई.ए.ए., और अन्य उच्च सरकारी अधिकारी एवं सचिवालय के अधिकारी उपस्थित थे। उन्होंने उपस्थित लोगों को समानता पोंगल उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

तमिल फिल्म 'पराशक्ति' के कलाकारों ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ पोंगल का उत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिल फिल्म पराशक्ति' के कलाकारों ने बुधवार को यहां आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ फसल उत्सव पोंगल मनाया। अभिनेता शिवकार्तिकेयन और रवि मोहन तथा संगीतकार जी वी प्रकाश कुमार समेत फिल्म के अन्य कलाकारों ने केंद्रीय मंत्री एल मुरुगन के आवास पर प्रधानमंत्री से मुलाकात की। शिवकार्तिकेयन ने कहा कि प्रधानमंत्री से मिलना हमेशा सम्मान और खुशी की बात होती है। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''दिल्ली में पोंगल का उत्सव देश की एकता का संदेश है।'' सह-कलाकार रवि मोहन ने कहा कि वह प्रधानमंत्री मोदी के व्यक्तित्व से अभिभूत हैं। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने मुस्कुराते हुए हमारा अभिवादन किया और कहा कि उनका यहां होना बहुत अच्छा लग रहा है।''

मोहन ने मुरुगन को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने 'पराशक्ति' की टीम को प्रधानमंत्री के साथ दिल्ली में पोंगल समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था और यह सभी तमिलों के लिए बहुत बड़ा सम्मान था कि राष्ट्रीय राजधानी में इतना सुंदर आयोजन हुआ। संगीतकार कुमार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''तिरुवासगम का प्रदर्शन आज दिल्ली में पोंगल-2026 उत्सव के दौरान हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और (केंद्रीय मंत्री) एल मुरुगन के समक्ष किया गया।'' फिल्म 'पराशक्ति' की कहानी 1960 के दशक में तमिलनाडु में ''हिंदी के थोपे जाने'' के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों की पृष्ठभूमि पर आधारित है। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई ने फिल्म में दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के चित्रण पर आपत्ति जताई है।

'जन नायकन' : उच्चतम न्यायालय फिल्म के निर्माता की याचिका पर 15 जनवरी को करेगा सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय विजय-अभिनीत तमिल फिल्म ''जन नायकन'' के निर्माता की उस याचिका पर बृहस्पतिवार को सुनवाई करेगा, जिसमें मद्रास उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेश को चुनौती दी गई है। अदालत के अंतरिम आदेश में फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) से मंजूरी देने के एकल-न्यायाधीश के निर्देश पर रोक लगा दी गई थी। उच्चतम न्यायालय की वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ द्वारा इस मामले की सुनवाई किए जाने की संभावना है।

मद्रास उच्च न्यायालय ने नौ जनवरी को एकल न्यायाधीश के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें सीबीएफसी को 'जन नायकन' को तुरंत सेंसर प्रमाणपत्र देने का निर्देश दिया गया था। इसी रोक के साथ विजय की फिल्म का भविष्य अधर में लटक गया। केवीएन प्रोडक्शंस एलएलपी ने पिछले शुक्रवार को उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ द्वारा पारित उस आदेश के खिलाफ अपील दायर की, जिसमें फिल्म का प्रमाणन तत्काल जारी करने संबंधी एकल पीठ के निर्देश पर रोक लगा दी थी। विजय ने कुछ महीने पहले अपना राजनीतिक दल तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) बनाया है और ''जन नायकन'' को विजय के राजनीति में पूरी तरह से प्रवेश से पहले उनकी आखिरी फिल्म के तौर पर बड़े पैमाने पर प्रचारित किया जा रहा है। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, फिल्म पोंगल के अवसर पर नौ जनवरी को रिलीज होने वाली थी। हालांकि, सीबीएफसी के समय पर प्रमाणपत्र जारी नहीं करने के बाद फिल्म को आखिरी समय में मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

खंडपीठ का आदेश नौ जनवरी को उस समय आया जब न्यायमूर्ति पी टी आशा ने सीबीएफसी को फिल्म ''जन नायकन'' को मंजूरी देने का निर्देश दिया और इस मामले को समीक्षा समिति के पास भेजने का बोर्ड का निर्देश खारिज कर दिया। मुख्य न्यायाधीश एम एम श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने सीबीएफसी द्वारा दायर अपील पर एकल न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ अंतरिम रोक लगा दी।

केआईडी कैप्सूल ने पीएसएलवी-सी62 से अलग होने के बाद डाटा भेजा : स्पेनिश स्टार्टअप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इसरो के पीएसएलवी-सी62 मिशन में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में इस रॉकेट द्वारा ले जाया गया केआईडी (केस्ट्रेल इनिशियल टेक्नोलॉजी डेमोंस्ट्रेटर) कैप्सूल नष्ट नहीं हुआ और उसने डाटा भेजा। पेलोड विकसित करने वाली स्पेनिश स्टार्टअप कंपनी 'ऑर्बिटल पैराडिगम' ने यह दावा किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने हालांकि कंपनी के इस दावे पर कोई टिप्पणी नहीं की और न ही इसकी पुष्टि की। इस दावे को 13 जनवरी को 'एक्स' पर उसके आधिकारिक अकाउंट पर साझा किया गया था।

एक विदेशी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह समेत 16 उपग्रहों को लेकर अंतरिक्ष के लिए रवाना होने वाले इसरो के पीएसएलवी-सी62 रॉकेट को प्रक्षेपण के तीसरे चरण में गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। इससे यह रॉकेट उड़ान पथ से भटक गया था और उपग्रहों को निर्धारित कक्षा में स्थापित करने में विफल रहा था। इसरो ने सोमवार को यह जानकारी दी थी। पीएसएलवी-सी62 ने स्पेन के एक स्टार्टअप द्वारा विकसित 25 किलोग्राम वजन के केआईडी कैप्सूल को भी लेकर उड़ान भरी थी, जो पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करने में सक्षम वाहन का एक छोटा प्रोटोटाइप था।

'ऑर्बिटल पैराडिगम' ने कहा, हमारे केआईडी कैप्सूल ने तमाम मुश्किलों के बावजूद पीएसएलवी-सी62 से अलग होकर काम करना शुरू किया और डाटा भेजना शुरू कर दिया।'' इस मिशन का उद्देश्य लगभग 17 मिनट की उड़ान के बाद एक प्राथमिक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह और 15 सह-यात्री उपग्रहों को 512 किलोमीटर ऊंची सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित करना था। बाद में, रॉकेट के चौथे चरण (पीएस4) और केआईडी कैप्सूल को पृथ्वी के वायुमंडल में पुनः प्रवेश करने और दक्षिण प्रशांत महासागर में उतरने की योजना थी। स्पेनिश स्टार्टअप ने कहा कि पीएसएलवी-सी62 मिशन के विफल होने के बावजूद, केवल केआईडी कैप्सूल ही बच पाया, पीएसएलवी-सी62 रॉकेट से अलग हो गया और डाटा भेजा।

संभावित विजय-राजग गठबंधन पर अन्नामलाई ने साधी चुप्पी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। तमिलनाडु भाजपा के वरिष्ठ के. अन्नामलाई ने विधानसभा चुनावों से पहले अभिनेता-नेता विजय की पार्टी टीवीके के साथ संभावित गठबंधन को लेकर बुधवार को चुप्पी साधे रखी और कहा कि उन्हें इस पर टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है।

हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि सत्तारूढ़ द्रमुक की हार सुनिश्चित करने के लिए सभी द्रमुक-विरोधी मतों को एकजुट करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

अन्नामलाई दिल्ली में केंद्रीय राज्य मंत्री एल. मुरुगन के आवास पर पोंगल समारोह के दौरान संवाददाताओं से बात कर रहे थे। जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि क्या विजय और भाजपा गठबंधन से राजग मजबूत होगा, तो अन्नामलाई ने कहा, ...कुछ बातें हैं जिनका मैं जवाब नहीं देना चाहता। यह मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर का मामला है। इससे पहले एक संवाददाता सम्मेलन में, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह विजय को राजग में शामिल होते देखना चाहते हैं, तो अन्नामलाई ने कहा, यह व्यक्तिगत भावनाओं का सवाल नहीं है। द्रमुक को सत्ता से हटाने का सबसे बेहतर तरीका यह है कि सभी द्रमुक-विरोधी वोट एकजुट हों। यही राजनीति है।

भाजपा नेता ने तमिलनाडु के चुनावी परिदृश्य को दुर्लभ चतुष्कोणीय मुकाबला के रूप में वर्णित किया, जिसमें द्रमुक नीत गठबंधन, अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाला राजग, तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके) और नाम तमिलर काची (एनटीके) के प्रमुख सीमान का संगठन शामिल है, जिसकी कुल मतों में 8 से 9% हिस्सेदारी है। अन्नामलाई ने हाल ही में राजग को मिली सफलताओं पर जोर दिया जिसमें पिछले सप्ताह नए गठबंधन साझेदार को शामिल करना शामिल है। उन्होंने चेन्नई में 23 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रैली के साथ अभियान की शुरुआत का भी उल्लेख किया। इस सवाल के जवाब में कि क्या विजय द्रमुक को सत्ता से बाहर करना चाहते हैं, उन्होंने कहा, उनके भाषणों से तो यही लगता है। उनके 90 प्रतिशत भाषणों में वह द्रमुक पर हमला करते हैं। वह चाहते हैं कि द्रमुक सत्ता से बाहर हो जाए।

'जन नायकन' के लिए राहुल के समर्थन को टीवीके ने मित्रवत बताया, कांग्रेस ने कहा कोई राजनीति नहीं

चेन्नई। अभिनय से राजनीति में आए विजय के नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने कहा है कि राहुल गांधी ने अभिनेता की फिल्म जन नायकन' को समर्थन देकर ''मित्रवत भाव'' दर्शाया है, वहीं कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई ने कहा है कि उनके नेता ने सेंसर बोर्ड को निशाना बनाकर यह बयान दिया था और इसके पीछे कोई 'राजनीतिक मकसद' नहीं है।

टीवीके के एक वरिष्ठ नेता ने मंगलवार को कहा कि 27 सितंबर, 2025 को करूर में हुई भगदड़ के बाद से उन्होंने समर्थन जताया तथा विजय की आखिरी फिल्म के पक्ष में और केंद्र सरकार का विरोध करते हुए उनका आज का बयान मैत्रीपूर्ण भाव को दर्शाता है। हालांकि, उन्होंने चुनावी गठबंधन को लेकर किसी भी तरह की अटकलों से इनकार कर दिया और कहा कि यह फैसला केवल पार्टी प्रमुख ही ले सकते हैं। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने कहा कि गांधी का बयान केवल सेंसर बोर्ड के 'अलोकतांत्रिक तरीकों' को निशाना बनाकर दिया गया था और इस बयान के पीछे कोई राजनीतिक या चुनावी मकसद नहीं था।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''फिल्म 'जन नायकन' को रोकने के प्रयास को लेकर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को निशाना बनाने वाला हमारे नेता राहुल गांधी का बयान (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी के नेतृत्व वाली सरकार का असली चेहरा उजागर करता है जो न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि फासीवादी भी है और इस बयान का तमिलनाडु की राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है।''

हरी झंडी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में अन्ना बस स्टैंड पर चेन्नई शहर की यात्रा के लिए एक विशेष गोलाकार विरासत वाली बस सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए परिवहन एवं विद्युत मंत्री एस.सी. शिवशंकर। इस अवसर पर परिवहन विभाग के प्रधान सचिव कंसोंगम ऐदंजीरु, नगर परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक, महाप्रबंधक और प्रभु संगम के आजीवन सदस्य ई. अट्टा उपस्थित थे।

श्रीलंका में तमिलों के खिलाफ संघर्ष से संबंधित यौन हिंसा का मुद्दा अब भी अनसुलझा है: संरा की रिपोर्ट

चेन्नई/कोलंबो। श्रीलंका में दशकों तक चले गृहयुद्ध के दौरान तमिल नागरिकों के खिलाफ मुख्य रूप से सुरक्षा बलों द्वारा की गई यौन हिंसा का मुद्दा आज भी अनसुलझा है और युद्ध समाप्त होने के 17 साल बाद भी पीड़ितों को न्याय नहीं मिल पा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। हमने सब कुछ खो दिया – न्याय की उम्मीद भी' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय द्वारा एक दशक तक निगरानी और रिपोर्टिंग, पीड़ितों, लिंग आधारित हिंसा पर स्थानीय विशेषज्ञों, नागरिक समाज और अन्य लोगों के साथ व्यापक परामर्श के बाद तैयार की गई है। लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम' (एलटीटीई) ने द्वीपीय राष्ट्र के उत्तरी और पूर्वी प्रांतों में एक अलग तमिल मातृभूमि के लिए लगभग 30 वर्षों तक सैन्य अभियान चलाया, लेकिन वर्ष 2009 में श्रीलंका की सेना द्वारा उसके सर्वोच्च नेता वेलुपिल्लई प्रभाकरन को मार डालने के बाद एलटीटीई का पतन हो गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि गृहयुद्ध के दौरान व्यापक रूप से यौन हिंसा की गई, मुख्य रूप से देश के सुरक्षा बलों द्वारा। इसे संघर्ष प्रभावित आबादी को डराने, दंडित करने और उन पर नियंत्रण रखने का जरिया बनाया गया। इसमें कहा गया है कि इन कृत्यों में मुख्य रूप से तमिल नागरिकों और एलटीटीई के वास्तविक या संदिग्ध सदस्यों को निशाना बनाया गया था, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं।

धनबाद-कोयम्बटूर एक्सप्रेस 17 जनवरी से रद्द

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। दक्षिण रेलवे के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी डी. ओम प्रकाश से प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार पूर्वी मध्य रेलवे ने निम्नलिखित ट्रेन सेवाओं को रद्द करने की सूचना जारी की है। धनबाद-कोयंबटूर स्पेशल ट्रेन संख्या 03679, जो 17 जनवरी को शाम 4:10 बजे धनबाद से चलने वाली थी, अगली सूचना तक पूरी तरह रद्द कर दी गई है। 20 जनवरी को सुबह 7:50 बजे कोयंबटूर के लिए निर्धारित ट्रेन संख्या 03680 कोयंबटूर-धनबाद स्पेशल अगली सूचना तक पूरी तरह रद्द कर दी गई है।

उत्तर में लड़कियों को रसोई संभालने, बच्चे पैदा करने के लिए कहा जाता है : द्रमुक सांसद दयानिधि मारन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता दयानिधि मारन ने बुधवार को कहा कि तमिलनाडु में लड़कियों को पढ़ाई करने के लिए कहा जाता है, जबकि उत्तर भारत में लड़कियों को घर पर रहने, रसोई में काम करने और बच्चे पैदा करने के लिए कहा जाता है। यहां उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की अध्यक्षता में आयोजित एक समारोह में मारन ने कहा कि एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली मौजूदा सरकार 'द्रविड़ मॉडल' शासन है जो सबके लिए सब कुछ के विचार के साथ कार्य करती है।

द्रमुक सांसद ने कहा कि विशेष रूप से तमिलनाडु में लड़के-लड़कियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे सरकार द्वारा वितरित लैपटॉप का लाभ उठाएं और आत्मविश्वास के साथ साक्षात्कार का सामना करें या स्नातकोत्तर में दाखिला लें। मारन ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, तमिलनाडु में हम लड़कियों को पढ़ने के लिए कहते हैं। लेकिन उत्तर भारत में क्या कहा जाता है? वे कहते हैं कि लड़कियों को काम पर नहीं जाना चाहिए, घर पर रहना चाहिए, रसोई संभालना चाहिए, बच्चे पैदा करने चाहिए, यही तुम्हारा काम है। वे इस तरह की बातें कहते हैं। उन्होंने कहा, ...यह तमिलनाडु है। यह द्रविड़ नाडु है। यह (दिवंगत द्रमुक नेता) एम. करुणानिधि, (पूर्व मुख्यमंत्री) अन्ना और (मुख्यमंत्री) एम. के. स्टालिन की भूमि है। इस धरती पर आपकी (महिलाओं की) प्रगति तमिलनाडु की प्रगति है। वैश्विक कंपनियां चेन्नई क्यों आती हैं? क्योंकि यहां हर कोई न केवल तमिल में बल्कि अंग्रेजी में भी शिक्षित है।

टिप्पणी को लेकर भाजपा ने आलोचना की : तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर भारत में महिलाओं की स्थिति के बारे में कथित विवादित टिप्पणी को लेकर बुधवार को द्रमुक सांसद दयानिधि मारन की आलोचना की। मारन के बयान की निंदा करते हुए भाजपा नेता नारायण तिरुपति ने द्रमुक पर क्षेत्रीय दरारें पैदा करने का आरोप लगाया। तिरुपति ने 'पीटीआई वीडियो'' से कहा, एक बार फिर, दयानिधि मारन और द्रमुक ने बिना सोचे-समझे बात की है। यही द्रविड़ मॉडल है... वे उत्तर भारतीय (महिलाओं) को कैसे गाली दे सकते हैं? मारन के बयान को गलत बताते हुए उन्होंने कहा, आप कह सकते हैं कि आप बड़े हैं... लेकिन आप दूसरों को नीचा नहीं दिखा सकते।

भाजपा नेता ने कहा कि तमिलनाडु में महिलाओं का सशक्तीकरण कोई आधुनिक द्रविड़ आविष्कार नहीं है, उन्होंने कहा कि कवि भारतीयार ने द्रमुक के उदय से बहुत पहले इन मुद्दों पर जोर दिया था। उन्होंने दावा किया कि द्रविड़ मॉडल अब उत्तर भारतीयों को गाली देने और हिंदीभाषी और गैर-हिंदीभाषी लोगों के बीच दरार पैदा करने का जरिया बन गया है। मारन ने यह दावा कर विवाद खड़ा कर दिया कि तमिलनाडु में लड़कियों को पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, जबकि उत्तर भारत में उनकी समकक्ष लड़कियों से घर पर रहने, रसोईघर में काम करने और बच्चे पैदा करने के लिए कहा जाता है।

यूनियन बैंक Union Bank of India
क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई (दक्षिण)
38 & 39, व्हाइट्स रोड, रोयापेट्टा,
चेन्नई-600014 (टेलीफोन: 044-28523104)

पट्टे पर परिसर की आवश्यकता

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को **टी नगर, चेन्नई** में हमारी प्रस्तावित शाखा के लिए **2000 वर्ग फीट ± 10% कारपेट एरिया** वाला परिसर चाहिए जो अधिमानत रूप से भू-तल / प्रथम तल पर हो या हमारे विनिर्देशों के अनुसार किराए के लिए निर्माणाधीन हो, जिसका आगे का भाग अच्छा हो, मुख्य सड़क की ओर हो और जिसमें पर्याप्त पार्किंग हो।

संभावित आवेदक जिनके पास स्पष्ट स्वामित्व हो या मालिकों की ओर से बातचीत करने का अधिकार हो, वे बैंक की वेबसाइट **www.unionbankofindia.co.in** और ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.eprocure.gov.in** से आवेदन-पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अथवा,

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, क्षेत्रीय कार्यालय चेन्नई दक्षिण, व्हाइट्स रोड चेन्नई से कार्यालय अवधि के दौरान **दिनांक 15.01.2026** से प्रारूप प्राप्त करें और अपनी तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली प्रस्ताव को दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में तकनीकी बोली एंव मूल्य बोली लिखकर दिनांक **29.01.2026** को या उससे पूर्व अपराह्न **03:30 बजे** तक **क्षेत्रीय कार्यालय, चेन्नई दक्षिण** में जमा कर दें। तकनीकी बोली **दिनांक 29.01.2026 को अपराह्न 04:30** बजे उपर्युक्त पते पर आवेदकों/उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जाएगी।

कृपया कोई दलाल या बिचौलिया न आएं। सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम या सरकारी / अर्ध-सरकारी निकायों द्वारा पट्टे पर दी जाने वाली संपत्ति को प्राथमिकता दी जाएगी। बैंक बिना कोई भी कारण बताए किसी भी या सभी बोलियों को अस्वीकार करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखता है।

दिनांक: 15.01.2026 क्षेत्र प्रमुख
चेन्नई

भजनलाल शर्मा ने पतंग उड़ाकर किया पतंग उत्सव का शुभारंभ

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मकर संक्रांति के पर्व पर जल महल की पाल पर पतंग उत्सव (काइट फेस्टिवल) का शुभारंभ किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने स्वयं भी पतंग उड़ाकर मकर संक्रांति पर्व की परंपरा में सहभागिता निभाई। मुख्यमंत्री ने इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर आधारित पतंगों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने लोक-कलाकारों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति के पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी समृद्ध संस्कृति एवं परंपरा का प्रतीक है। पतंग महोत्सव जैसे आयोजन प्रदेश की लोक संस्कृति, रचनात्मकता एवं सामाजिक चेतना को मजबूती देने के साथ ही पर्यटन को भी बढ़ावा देते हैं। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देशों पर इस वर्ष राज्य के समस्त सात संभाग स्तर एवं जैसलमेर व माउंटआबू में पतंग उत्सव का आयोजन किया गया है। इसी क्रम में जलमहल की पाल पर आयोजित पतंग उत्सव में रंग-बिरंगी पतंगों, पारंपरिक उल्लास एवं देशी-विदेशी पर्यटकों का संगम दिखाई दिया।

इस दौरान उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, विधायक बालमुकुंदाचार्य, पर्यटन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, पर्यटन आयुक्त श्रीमती रुकमणी रियाड़ सहित अन्य अधिकारी, देशी-विदेशी पर्यटक और आमजन उपस्थित रहे। राजस्थान में मकर संक्रांति का पर्व बुधवार को पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। लोग मंदिरों में दर्शन करने पहुंचे और दान किया। गुलाबी नगरी जयपुर में मौसम साफ रहा। हालांकि सुबह के समय हवा का रुख पतंगबाजों के लिए अनुकूल नहीं था जिससे वे निराश हुए। सुबह होते ही लोग अजमेर के पुष्कर सरोवर और जयपुर के गलता तीर्थ पहुंचे और पवित्र स्नान किया। इस वर्ष पर्व का महत्व और बढ़ गया क्योंकि यह एकादशी के साथ पड़ा। गोविंददेवजी मंदिर में दर्शन करने आए श्रद्धालु हिमांशु गुप्ता ने कहा, इस शुभ अवसर पर मैं अपने पूरे परिवार के साथ मंदिर जाता हूं।

सुबह लोगों ने स्नान के बाद पूजा-अर्चना की। इस दौरान दानपुण्य का दौर चला। जरूरतमंदों को मिठाइयां और अन्य वस्तुएं वितरित की गईं तथा गायों को हरा चारा भी खिलाया गया। गोविंद देवजी मंदिर, ताड़केश्वरजी मंदिर और अन्य मंदिरों को रंग-बिरंगी पतंगों से सजाया गया। गलता तीर्थ पर सुबह से ही श्रद्धालु स्नान करते रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने पर्यटन विभाग द्वारा जलमहल के पास आयोजित पतंग उत्सव में भाग लिया। उन्होंने पतंग उड़ाई और पर्व का आनंद लिया। मांझे से घायल पक्षियों के उपचार के लिए विशेष इंतज़ाम किए गए। विभिन्न सामाजिक संगठनों ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में पक्षियों को बचाने और उनका इलाज करने के लिए शिविर लगाए।

पूर्व सैनिकों को राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचे में सक्रिय रूप से शामिल कर रही सेना : जनरल द्विवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने बुधवार को कहा कि भारतीय सेना अपने पूर्व सैनिकों को देश के सुरक्षा ढांचे और राष्ट्र निर्माण के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल कर रही है। उन्होंने कहा, गत वर्ष से ही हम सक्रिय रूप से शौर्य संप्रवाह के माध्यम से पूर्व सैनिकों को राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचों में भी एकीकृत कर रहे हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि सेना, पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के लिए कल्याण, स्वास्थ्य सेवा और पुनर्वास योजनाओं का विस्तार कर रही है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी यहां सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों ने सक्रिय सेवा के बाद भी भारत की सुरक्षा, शासन, उद्योग और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। जनरल द्विवेदी ने कहा, जब भी देश ने पुकारा, हमारे पूर्व सैनिक हर परिस्थिति में देश के साथ खड़े दिखाई दिए। यह आपके भीतर बसे राष्ट्रधर्म और कर्तव्यबोध का प्रमाण है। उन्होंने कहा, आज जब देश विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है, तब आपके अनुभव, ईमानदारी और राष्ट्रीय सोच का महत्व और भी बढ़ जाता है।

सशस्त्र सेना पूर्व सैनिक दिवस हर साल 14 जनवरी को सशस्त्र बलों के पहले कमांडर-इन-चीफ फील्ड मार्शल केएम करियप्पा की उल्लेखनीय सेवाओं के स्मरण में मनाया जाता है। करियप्पा 1953 में इसी दिन सेवानिवृत्त हुए थे।

जनरल द्विवेदी ने सेना के बढ़ते कल्याणकारी 'इकोसिस्टम' पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय सेना पूर्व सैनिकों, वीर नारियों और उनके परिवार के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है तथा इसी संकल्प के साथ 30 अगस्त 2024 को 'प्रोजेक्ट नमन' शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि इस पहल का लक्ष्य रक्षा पेंशन भोगियों और उनके परिवार को एक समर्पित भरोसेमंद व आसानी से उपलब्ध सहायता प्रणाली प्रदान करना है।

सेना प्रमुख ने कहा, इस सेना दिवस के अवसर पर 100वें नमन केंद्र का उद्घाटन किया जा रहा है और जनवरी 2027 तक लगभग 200 नमन केंद्र स्थापित करने का लक्ष्य है, जिसमें दूरदराज के स्थान भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि सेना अपने कर्मियों, पूर्व सैनिकों और परिवारों को एक बड़ी इकाई के रूप में देखती है। जनरल द्विवेदी ने सेवारत सैनिकों, पूर्व सैनिकों और आश्रितों का जिक्र करते हुए कहा, मैं सशस्त्र बलों को लगभग 1.25 करोड़ सदस्यों वाला एक मजबूत परिवार मानता हूं। उन्होंने रणनीतिक योजना में पूर्व सैनिकों के बढ़ते योगदान पर जोर देते हुए कहा कि शौर्य संप्रवाह जैसी योजनाओं के माध्यम से पूर्व सैनिकों को राष्ट्रीय सुरक्षा ढांचों में भी एकीकृत किया जा रहा है।

सेना प्रमुख ने पुनर्वास एवं रोजगार के प्रयासों पर भी जोर दिया और कहा कि सेवानिवृत्त के बाद सैनिकों के आत्मनिर्भर जीवन और समाज में योगदान के लिए 'रिसेटलमेंट और स्किल डेवलपमेंट' पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि इस साल अकेले 'आर्मी वेलफेयर प्लेसमेंट ऑर्गनाइजेशन' के जरिए 17,000 से ज्यादा पूर्व सैनिकों को रोजगार मिला है और कुल मिलाकर इस संगठन द्वारा डेढ़ लाख से अधिक पूर्व सैनिकों को रोजगार मुहैया कराए गया है।

सेना प्रमुख ने पूर्व सैनिकों से समाज के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहने का आह्वान करते हुए कहा, राष्ट्र आपकी सेवा का सम्मान करता है आपके अनुभव, कौशल और समर्पण से भविष्य में भी देश को लाभ मिलेगा, मैं इसकी आशा करता हूं।

सेना दिवस परेड की तैयारियां पूरी, रक्षा मंत्री भी शामिल होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में 'सेना दिवस परेड 2026' की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी भी भाग लेंगे। शहर में पहली बार हो रही यह परेड जगतपुरा इलाके की महल रोड पर होगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है। शहर में यातायात के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं। शहर में बृहस्पतिवार से पांच दिवसीय 'जयपुर साहित्य महोत्सव' भी शुरू हो रहा है। इसके अलावा शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक दिन के जयपुर दौरे पर रहेंगी। इसको देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां व पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर है। 'सेना दिवस परेड' की तैयारियां महल रोड पर एक जनवरी से चल रही हैं। भव्य सैन्य परेड के लिए दो फुल ड्रेस रिहर्सल हो चुकी हैं। मिली जानकारी के अनुसार, इस परेड की शुरुआत चेतक हेलीकॉप्टर द्वारा राष्ट्रीय ध्वज और सेना ध्वज फहराए जाने के साथ होगी। इसके बाद हेलीकॉप्टर गुलाब की पंखुड़ियां बरसाएंगे और फ्लाईपास्ट होगा।

परेड की शुरुआत सेना के वाहनों में परमवीर चक्र और महावीर चक्र विजेताओं के मार्च पास्ट से होगी। नेपाल सेना बैंड की एक विशेष टुकड़ी आकर्षण का केंद्र होगी। 61वीं कैवलरी के घुड़सवार सैनिक सैन्य विरासत का प्रदर्शन करेंगे। परेड में अर्जुन टैंक, के-9 वज्र, धनुष तोप, ब्रह्मोस मिसाइल सहित उन्नत हथियार प्रणालियां और बख्तरबंद वाहन शामिल होंगे। परेड को देखते हुए यातायात की विशेष व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि महल रोड पर एनआरआई सर्कल और बॉम्बे हॉस्पिटल सर्कल के बीच सुबह पांच बजे से दोपहर एक बजे तक सामान्य यातायात प्रतिबंधित रहेगा। यातायात को वैकल्पिक रास्तों से मोड़ा किया जाएगा, जिसमें हल्दीघाटी मार्ग, वीआईटी रोड, केंद्रीय विहार मार्ग, गोनेर रोड और राणा सांगा मार्ग शामिल हैं।

महल रोड से सटी कॉलोनियों के निवासियों को समानांतर सड़कों से आवाजाही की अनुमति होगी। जयपुर साहित्य महोत्सव 15 से 19 जनवरी तक जेएलएन रोड पर होटल में होगा। इससे आसपास के इलाके में भारी यातायात रहने की संभावना है। पुलिस ने बताया कि साहित्य महोत्सव के लिए निर्धारित पार्किंग क्षेत्र बनाए गए हैं।

सहायक उप निरीक्षक रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने बुधवार को अजमेर जिले में राजस्थान पुलिस के सहायक उप निरीक्षक को 28 हजार रुपए की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सिविल लाइन पुलिस थाना, अजमेर में तैनात सहायक उप निरीक्षक हरीराम यादव को रिश्वत मामले में गिरफ्तार किया गया है। ब्यूरो के बयान के अनुसार, परिवादी ने शिकायत दी थी कि उसके द्वारा दर्ज प्रकरण में चालान पेश करने की एवज में रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के सत्यापन के दौरान आरोपी ने 70 हजार रुपये की रिश्वत लेना तय किया। बयान के अनुसार आज जाल बिछा कर आरोपी को 28,000 रुपए लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। मामले में आगे कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू कल जयपुर आएंगी

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 16 जनवरी को एक दिवसीय दौरे पर जयपुर आएंगी। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, राष्ट्रपति मुर्मू 16 जनवरी को एक दिवसीय राजस्थान दौरे पर रहेंगी। यहां उनका रामानंद मिशन द्वारा आयोजित 1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में भाग लेने का कार्यक्रम है। इस बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति शुक्रवार दोपहर जयपुर आएंगी। यहां से वे लोकभवन जाएंगी। फिर वह सीकर रोड पर हरमाड़ा जाएंगी और रामानंद मिशन द्वारा आयोजित 1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में भाग लेंगी। राष्ट्रपति शाम को दिल्ली लौटेंगी।

गौ तस्करी के शक में ग्रामीणों ने युवक को पीटा

जयपुर। खैरथल-तिजारा जिले में गौ-तस्करी के आरोप में एक युवक की ग्रामीणों ने पिटाई कर दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घायल व्यक्ति की पहचान साहुन खान के रूप में हुई है। उसे अलवर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर उसे जयपुर रेफर कर दिया। घटना सोमवार देर रात हुई जब साहुन तीन अन्य लोगों के साथ कथित तौर पर खेत में चर रही तीन गायों को ले जाने का प्रयास कर रहा था। ग्रामीणों ने हलचल देखी और उनका पीछा किया। आरोपियों में से दो भागने में सफल रहे, जबकि साहुन पकड़ा गया और ग्रामीणों ने उसकी पिटाई कर दी। अलवर ट्रॉमा वार्ड के डॉक्टरों ने बताया कि साहुन के हाथ-पैरों में फ्रैक्चर हुआ है। अलवर अस्पताल के एक डॉक्टर ने कहा, सर्जरी की आवश्यकता है, जो जयपुर में की जाएगी। खुशखेड़ा थाने के एक कांस्टेबल ने बताया कि घायल व्यक्ति को पहले तपुकड़ा के एक स्थानीय अस्पताल ले जाया गया और बाद में इलाज के लिए अलवर भेजा गया। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड, लूणकरनसर में 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया तापमान

जयपुर। राजस्थान के कई हिस्सों में बुधवार को भी आम जनजीवन पर ठंड का असर जारी रहा और बीकानेर जिले के लूणकरनसर में न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार सीकर के फतेहपुर में मंगलवार रात का तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके अलावा नागौर, अलवर, करौली, गंगानगर, झुंझुनू, पिलानी (झुंझुनू) और जैसलमेर में न्यूनतम तापमान क्रमशः 2.6, 3, 3.2, 3.5, 3.9, 4.1 और 4.7 डिग्री सेल्सियस रहा। विभाग ने बताया कि सीकर में रात का तापमान 4.8 डिग्री, बीकानेर में 5.5 डिग्री, टोंक के वनस्थली में 5.9 डिग्री, अजमेर में 8.4 डिग्री और जयपुर में 10.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा भी दर्ज किया गया।

हर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस समर्थित हजारों मतदाताओं के नाम कटवाना चाहती है भाजपा : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बुधवार को आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) राज्य के हर विधानसभा क्षेत्र में उनकी पार्टी समर्थित चार से पांच हजार मतदाताओं के नाम कटवाना चाहती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हाल ही में जयपुर दौरे के बाद ये आंकड़े उपलब्ध कराए गए और उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से वैध मतदाताओं के नाम हटाने के लिए रची जा रही इस व्यापक की साजिश के प्रति सतर्क रहने को कहा। डोटासरा ने आरोप लगाया कि इस डेटा से जुड़ी एक पेन ड्राइव हाल ही में जारी की गई है।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, राजस्थान में बड़े पैमाने पर वोट चोरी और लोकतंत्र की लूट की जा रही है। ये कोई साधारण राजनीतिक साजिश और एक राज्य का मामला नहीं है, ये लोकतांत्रिक व्यवस्था पर सीधा हमला है।

कांग्रेस नेता ने दावा किया, बेहद चिंताजनक एवं अति-गंभीर जानकारी सामने आई है कि कांग्रेस के मतदाताओं के नाम काटने के उद्देश्य से मोदी सरकार और भाजपा शीर्ष स्तर पर योजनाबद्ध षड्यंत्र रचा गया है। उन्होंने कहा, एक पैन ड्राइव जारी की गई है, जिसमें प्रदेश की हर विधानसभा में कांग्रेस समर्थित चार से पांच हजार मतदाताओं के नाम कटवाने का षड्यंत्रकारी डेटा दिया गया है।

डोटासरा के अनुसार, जानकारी मिली है कि ये डेटा विधानसभा-वार भाजपा नेताओं तक पहुंचाया गया और एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) पर अंतिम आपत्ति (15 जनवरी) से पहले एसडीओ कार्यालयों में बड़े पैमाने पर फॉर्म देकर कांग्रेस के वैध मतदाताओं के नाम काटने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये निष्पक्ष एसआईआर प्रक्रिया और चुनावी व्यवस्था नहीं बल्कि जनमत की खुली भाजपाई लूट है।

डोटासरा ने कहा, मैं कांग्रेस पार्टी के सभी बूथ एजेंट, स्थानीय नेता, विधायकों, प्रत्याशियों, जिलाध्यक्षों और पदाधिकारियों से आह्वान करता हूं कि तुरंत जिला प्रशासन से संपर्क साधें, हर मतदाता के मतदान अधिकारी की सख्त निगरानी करें और किसी भी वैध मतदाता का नाम कटने न दें। कांग्रेस नेता ने लिखा, ये लड़ाई भाजपाई सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ और लोकतंत्र की रक्षा के लिए है, जिसे निर्णायक रूप से लड़ा जाएगा।

मंत्री बिश्नोई की अध्यक्षता में हुआ जनसंवाद का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई की अध्यक्षता में सिरोही जिले के पालडी एम. में रात्रि चौपाल एवं जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उन्होंने रात्रि चौपाल में आमजन की परिवेदनाओं को सुना और संबंधित को निस्तारण के लिए निर्देशित किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि आमजन के समस्याओं का समयबद्ध एवं गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वीबीजीरामजी गांवों को आर्थिक रूप से समृद्ध बनाने का एक सशक्त माध्यम है इससे गांवों में प्रगति का पथ अग्रसर होगा। वीबीजीरामजी से भारत के विकसित भारत में बदलने की संकल्पना सत्य सिद्ध होगी। गांव मजबूत होंगे तभी देश मजबूत होगा। किसान एवं श्रमिकों के समृद्ध होने से भारत विकसित होगा। यह योजना सिर्फ रोजगार की योजना न हो के गांवों को सशक्त करने का माध्यम है। प्रभारी मंत्री ने इस दौरान ग्रामीणों की परिवेदनाओं को सुनते हुए उन्हें शीघ्र राहत प्रदान करने के लिए अधिकारियों को मौके पर ही निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन दोनो ही सामुहिक रूप से क्षेत्र के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए सतत प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा नियमित रूप से क्षेत्र के विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की बात कही एवं बताया कि भारत अब विश्व में अपनी विशेष पहचान कायम करते हुए निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। रात्रि चौपाल में विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को संबंधित दस्तावेज एवं लाभ प्रदान किया गया। रात्रि चौपाल में राजस्व विभाग द्वारा 3 सम्मानजनक नाम दर्ज किए गए।

जिसमें बजट घोषणा क्रियान्विति के तहत राजकीय कृषि महाविद्यालय सिरोही उच्च शिक्षा विभाग राजस्थान को 30 हेक्टेयर भूमि यानि 185 बीघा भूमि आवंटन के भू अभिलेख उपलब्ध कराए व भूमि का कब्जा सुपुर्द दस्तावेज राजकीय महाविद्यालय के सहायक आचार्य को सौपा गया।

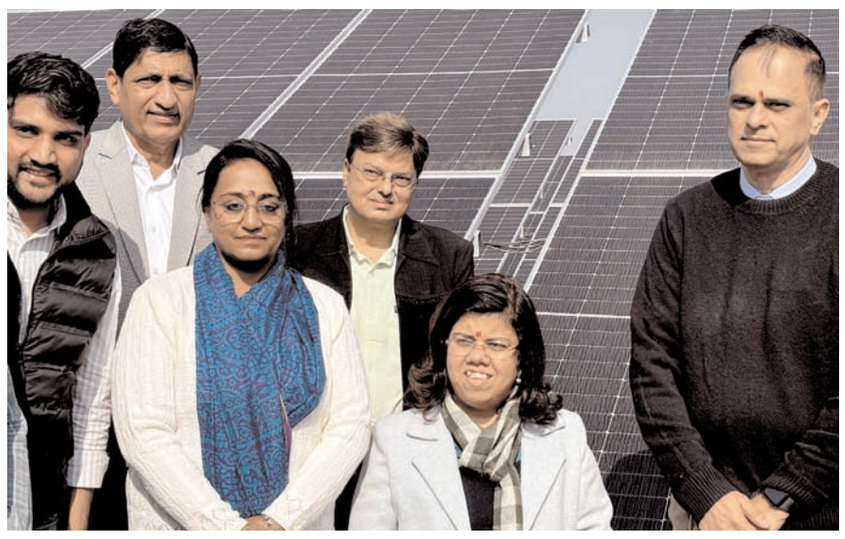

वरदान साबित हो रहे हैं सौर ऊर्जा संयंत्र, ग्रीन एनर्जी को मिल रही गति : श्रीनिवास

जयपुर। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान (पीएम-कुसुम) योजना के तहत राज्य में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों ने प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में नई ऊर्जा का संचार किया है। राजस्थान को ऊर्जा उत्पादन में सरप्लस राज्य बनाने के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विजन को साकार करने में इस योजना का योगदान महत्वपूर्ण रहेगा। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने यह बात बुधवार को कोटपूतली-बहरोड़ जिले के बानसूर उपखंड स्थित भूपसेड़ा गांव में कुसुम योजना के अन्तर्गत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों के अवलोकन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि कुसुम योजना का लाभ उठाकर अन्नदाता अब ऊर्जादाता भी बन रहे हैं। इनसे उत्पन्न सौर ऊर्जा का उपयोग किसानों को दिन में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में हो रहा है।

भारत सरकार की यह योजना राज्य सरकार के सहयोग से प्रदेश में ग्रामीण विकास को मजबूती प्रदान कर रही है। घटक-ए और घटक-सी के अंतर्गत किसान या तो स्वयं सौर संयंत्र स्थापित कर रहे हैं या अपनी अनुपयोगी भूमि लीज पर देकर आर्थिक लाभ प्राप्त कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में विकेंद्रित सौर ऊर्जा परियोजनाओं को मिल रही गति ग्रीन एनर्जी क्रांति की दिशा में ऐतिहासिक कदम है जो आने वाले समय में ग्राम सशक्तीकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। मुख्य सचिव ने प्रसन्नता व्यक्त की कि कुसुम कंपोनेंट-ए में राजस्थान देश में प्रथम और कंपोनेंट-सी में द्वितीय स्थान पर है।

ठंड के बावजूद लाखों श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति पर गंगासागर में स्नान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल)/भाषा। मकर संक्रांति के अवसर पर पश्चिम बंगाल में हुगली नदी और सागर द्वीप में बंगाल की खाड़ी के संगम पर लगने वाले वार्षिक गंगासागर मेले में बुधवार को लाखों श्रद्धालुओं ने स्नान किया। तड़के ही श्रद्धालुओं की भीड़ सागर द्वीप के ठंडे पानी में स्नान करती,भजन और प्रार्थनाएं करती हुई दिखाई दी। मान्यता है कि इस शुभ दिन यहां स्नान करने से पाप धुल जाते हैं और मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

कपिल मुनि आश्रम की ओर जाने वाले रास्ते पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं, जहां हजारों लोग धैर्यपूर्वक पूजा करने के लिए इंतजार कर रहे थे। भीड़ इतनी थी कि खड़े होने के लिए स्थान कम पड़ रहा था। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को अपराह्न 1.19 बजे सबसे शुभ 'महा मुहूर्त', जिसे महेंद्रक्षण के नाम से जाना जाता है, शुरू हुआ और 24 घंटे तक चलेगा। उन्होंने बताया कि पवित्र मुहूर्त शुरू होने के कारण तीर्थयात्रियों की और भी अधिक भीड़ आने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देशभर से तीर्थयात्री आए हैं, जिनमें से कई लोगों ने ठंड से बचने के लिए कंबल ओढ़कर खुले आसमान के नीचे भजन गाते हुए रात बिताई।

राज्य सरकार ने कोलकाता से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित इस द्वीप पर व्यापक व्यवस्था की है, जहां हजारों पुलिसकर्मियों और स्वयंसेवकों को भारी भीड़ को संभालने के लिए तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था न केवल मेले के मैदानों पर बल्कि कोलकाता और आसपास के जिलों के रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर भी कड़ी कर दी गई है। पहली बार, उन्नत 'वाटर ड्रोन' जिन्हें 'बचाव ड्रोन' भी कहा जाता है, को तटरेखा के साथ निरंतर निगरानी के लिए तैनात किया गया है।

एक अधिकारी ने बताया, ''ये ड्रोन कपिल मुनि आश्रम और मुख्य स्नान घाटों के पास तैनात हैं। प्रत्येक ड्रोन 100 किलोग्राम तक का भार ले जा सकता है और संकट में फंसे तीर्थयात्रियों को शीघ्रता से निकालने में सक्षम है।'' उन्होंने बताया कि नागरिक सुरक्षा दल, आपदा राहत इकाइयां और नौसेना कर्मी भी स्नान घाटों पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए चौबीसों घंटे गश्त कर रहे हैं।

अमृत भारत ट्रेनें आराम और संपर्क को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल और असम से जल्द शुरू होने वाली नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें यात्री सुविधा और कनेक्टिविटी में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं, जो वाणिज्य और पर्यटन को भी बढ़ावा देंगी।

नौ नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और महाराष्ट्र को पश्चिम बंगाल और असम से जोड़ेंगी।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नई अमृत भारत ट्रेनें यात्री सुविधा और कनेक्टिविटी में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। अन्य लाभों में वाणिज्य और पर्यटन को बढ़ावा देना शामिल है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा था कि नौ नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें जल्द ही शुरू की जाएंगी।

नई ट्रेनें गुवाहाटी (कामाख्या)-रोहतक, डिब्रूगढ़-लखनऊ (गोमती नगर), न्यू जलपाईगुड़ी-नागरकोइल, न्यू जलपाईगुड़ी-तिरुचिरापल्ली, अलीपुरद्वार-एसएमवीटी बेंगलूरु, अलीपुरद्वार-मुंबई (पनवेल), कोलकाता (सांतरागाछी)-तांबरम, कोलकाता (हावड़ा)-आनंद विहार टर्मिनल और कोलकाता (सियालदह)-बनारस को जोड़ेंगी। दिसंबर 2023 में इसकी शुरुआत के बाद से अब तक 30 अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें परिचालन में हैं। नौ नई सेवाएं जल्द ही जोड़ी जाएंगी।

मणिपुर में कुकी जो समुदाय ने रैलियां आयोजित कर केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग की

चुराचांदपुर/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में कुकी-जो समुदाय के हजारों लोगों ने बुधवार को एक रैली निकाली और जनजातीय समुदाय से जुड़े मुद्दों के राजनीतिक समाधान की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने जिला मुख्यालय शहर में चार किलोमीटर से अधिक दूरी तक मार्च किया और नारेबाजी की। इस दौरान वे पोस्टर लिए हुए थे, जिनपर विधानसभा वाला एक केंद्र शासित प्रदेश बनाने की मांग की गई। बाद में कुकी-जो काउंसिल और 'इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आईटीएलएफ) के नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए एक ज्ञापन सौंपकर समुदाय की चिंताओं से अवगत कराया। इसी तरह की रैलियां तेंगनूपाल जिले के मोरेह क्षेत्र में कुकी बहुल इलाकों में भी आयोजित की गईं, जहां बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे।

अधिकारी ने ममता को कोयला घोटाले से जुड़े आरोपों को लेकर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने खुद को कोयला तस्करी मामले से जोड़ने को लेकर बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी।

अधिकारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि उन्होंने मानहानि नोटिस का जवाब देने के लिए बनर्जी को जो समय-सीमा दी थी, वह अब समाप्त हो चुकी है। उन्होंने लिखा, ममता बनर्जी पूरी तरह असमंजस में दिख रही हैं। मेरी ओर से भेजे गए मानहानि नोटिस का जवाब देने के लिए उन्हें जो समय दिया गया था, वह अब खत्म हो चुका है और मुश्किल में होने के कारण वह जवाब नहीं दे पा रही हैं।

अधिकारी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री के आरोप मनगढ़ंत हैं। उन्होंने कहा, अपने आचरण से मुख्यमंत्री ने यह साफ कर दिया है कि मेरे कोयला घोटाले में शामिल होने को लेकर लगाए गए उनके काल्पनिक आरोप उनकी अस्वस्थ मानसिक स्थिति की उपज हैं। उन्होंने कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा, अदालत में कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार रहें। ममता बनर्जी, अब मैं आपसे अदालत में मिलूंगा। अधिकारी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री को कानूनी नोटिस भेजकर 72 घंटे में सबूत पेश कर यह साबित करने को कहा था कि वह कोयला तस्करी मामले में शामिल हैं। उन्होंने कहा था कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो वह दीवानी और फौजदारी दोनों तरह की मानहानि की कार्यवाही शुरू करेंगे।

संघ परिवार दुनिया का 'सबसे खतरनाक' परिवार : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा की आलोचना करते हुए संघ को 'दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार' करार दिया। यादव ने सपा प्रदेश कार्यालय पर विभिन्न जिलों से आये कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात करने के बाद कहा कि संघ और भाजपा से सावधान रहने की जरूरत है। पूर्व मुख्यमंत्री ने संघ पर निशाना साधते हुए कहा, संघ परिवार दुनिया का सबसे खतरनाक परिवार है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा से सावधान रहना है। लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर करना आवश्यक है। यादव ने आरोप लगाया, भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बर्बाद कर दिया है। आज उत्तर प्रदेश में हर विभाग और हर कार्य में भ्रष्टाचार है। प्रदेश अपराधियों की गिरफ्त में है। महिलाओं के प्रति अपराध और साइबर अपराधों के मामल में उत्तर प्रदेश सबसे आगे है। अपराधी खुलेआम हत्याएं कर रहे हैं। भाजपा ने संस्थाओं को बर्बाद कर दिया।

उच्च न्यायालय का फैसला ममता बनर्जी के लिए 'भारी शर्मिंदगी' : भाजपा का दावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को 'भारी शर्मिंदगी' वाला बताया जिसके तहत सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की याचिका को खारिज कर दिया गया है। इस याचिका में अनुरोध किया गया है कि टीएमसी के उस डेटा की सुरक्षा की जाए जिसे हो सकता है कि ईडी ने प्रतीक जैन के कार्यालय और घर पर छापेमारी के दौरान जब्त कर लिया हो।

पिछले सप्ताह आई-पैक निदेशक प्रतीक जैन के कार्यालय और घर पर ईडी ने छापेमारी की थी। भाजपा ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का 'भ्रष्टाचार' और निजी कंपनी के साथ उसका 'भ्रष्ट संबंध' जल्द ही उजागर होगा। भाजपा ने जोर देकर कहा कि संवैधानिक अधिकारियों को राजनीतिक हथकंडों से डराया नहीं जा सकता और उच्च न्यायालय ने इसे स्पष्ट कर दिया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को डेटा की सुरक्षा के अनुरोध से जुड़ी टीएमसी की याचिका को खारिज करते हुए कहा कि ईडी ने सूचित किया है कि उसने पिछले सप्ताह की छापेमारी के दौरान आई-पैक निदेशक प्रतीक जैन के कार्यालय और घर से कुछ भी जब्त नहीं किया है।

टीएमसी ने अदालत में याचिका दायर कर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा आठ जनवरी को इन दोनों परिसर पर की गई छापेमारी के दौरान संभावित रूप से जब्त किए गए व्यक्तिगत और राजनीतिक डेटा को सुरक्षित रखने का आदेश देने का अनुरोध किया था। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने 'एक्स' एक पोस्ट में कहा, ममता बनर्जी के लिए भारी शर्मिंदगी। उन्होंने कहा, कलकत्ता उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ ममता बनर्जी की आपत्ति को खारिज कर दिया है और उनके खुले हस्तक्षेप की कड़ी निंदा की है।'' उन्होंने कहा, अब मामला सर्वोच्च न्यायालय में है। मालवीय ने आरोप लगाया कि कथित कोयला तस्करी और धन शोधन मामले से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी के दौरान बनर्जी 'कैमरे के सामने केंद्रीय अन्वेषण एजेंसियों को धमकाने' के प्रयास के तहत आई-पैक के परिसर में 'बेधड़क प्रवेश' कर गईं। उन्होंने कहा, ''यह घटना कानून के शासन के प्रति उनकी अवमानना और भ्रष्टाचार का बचाव करने से जुड़ी उनकी निराशा को उजागर करती है। संवैधानिक अधिकारियों को राजनीतिक हथकंडों से डराया नहीं जा सकता और उच्च न्यायालय ने इसे स्पष्ट कर दिया है।'' भाजपा नेता ने कहा, ''न्यायपालिका ने मुख्यमंत्री को उनकी जगह बता दी है।''

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय का फैसला सत्ताधारी टीएमसी के लिए 'बेहद शर्मनाक' है।

एसआईआर के नाम पर हुआ बड़ा फर्जीवाड़ा, उच्चतम न्यायालय ले संज्ञान : आप

लखनऊ/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाते हुए बुधवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय को इस पर तुरंत संज्ञान लेना चाहिए। सिंह ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार और निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों ने मिलकर उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के साथ 'अब तक का सबसे बड़ा फर्जीवाड़ा' किया है। उन्होंने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश सरकार के कर्मचारियों ने ग्राम पंचायत, प्रखंड विकास समिति, जिला पंचायत और स्थानीय निकाय चुनावों के लिए अलग-अलग मतदाता सूचियां तैयार कीं और इन्हीं सूचियों के आधार पर दिसंबर 2025 में बताया गया कि प्रदेश में कुल 17 करोड़ मतदाता हैं। सिंह ने कहा कि लेकिन जब इन्हीं कर्मचारियों ने गहन पुनरीक्षण किया तो अचानक दावा किया गया कि शहरी और ग्रामीण मिलाकर प्रदेश में सिर्फ 12.55 करोड़ मतदाता हैं। आखिर एक महीने में साढ़े चार करोड़ मतदाता कहां चले गए?

तेज प्रताप के घर मकर संक्रांति भोज में पहुंचे लालू, परिवार में सुलह के संकेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद बुधवार को अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव के आवास पर आयोजित मकर संक्रांति के भोज में शामिल हुए। हालांकि, इससे कुछ महीने पहले ही उन्होंने तेज प्रताप को पार्टी से निष्कासित कर दिया था और उनसे सभी व्यक्तिगत संबंध तोड़ लेने की घोषणा की थी।

निष्कासन के बाद 'जनशक्ति जनता दल' (जेजेडी) नाम से अपनी नई पार्टी बनाने वाले तेज प्रताप यादव ने मंगलवार रात अपने माता-पिता और छोटे भाई तेजस्वी यादव से मुलाकात कर उन्हें 'दही-चूड़ा' भोज का निमंत्रण दिया था। हालांकि, परिवार से केवल लालू प्रसाद ही भोज में पहुंचे।

उम्र और कई स्वास्थ्य समस्याओं के चलते प्रायः घर में ही रहने वाले लालू प्रसाद ने पत्रकारों के सवालों का जवाब नहीं दिया, लेकिन उनके भोज में भाग लेने से परिवार में सुलह की अटकलें तेज हो गई हैं।

लालू प्रसाद ने मई 2025 में तेज प्रताप को राजद से निष्कासित करते हुए कहा था कि उनसे अब 'परिवार का कोई लेना-देना नहीं रहेगा।' उन्होंने अपने बड़े बेटे के आचरण की आलोचना करते हुए उसे 'गैर-जिम्मेदाराना' करार दिया था और कहा था कि यह उनके परिवार के मूल्यों के अनुरूप नहीं है। यह निष्कासन उस घोषणा के एक दिन बाद हुआ था, जब तेज प्रताप ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि वह 12 वर्षों से एक महिला के साथ रिश्ते में हैं, जबकि वह पहले से विवाहित हैं और उनका तलाक का मामला अभी पारिवारिक अदालत में लंबित है।

हालांकि, कुछ ही घंटों बाद उन्होंने (तेज प्रताप) यह पोस्ट हटा दी थी और 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर कहा था कि उनका फेसबुक अकाउंट 'हैक' हो गया था। विधानसभा चुनाव से पहले तेज प्रताप ने जनशक्ति जनता दल का गठन करके कई सीट पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन सभी की जमानत जब्त हो गई। तेज प्रताप ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा द्वारा आयोजित इसी तरह के भोज में भी शिरकत करके अटकलों को हवा दी थी। हालांकि, न तो उन्होंने और न ही भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में उनके शामिल होने को लेकर कोई पुष्टि या खंडन करने वाला बयान दिया है। तेज प्रताप के घर आयोजित भोज में लालू प्रसाद के अलावा राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी पहुंचे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और अन्य मंत्री जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता रत्नेश सदा द्वारा आयोजित भोज में शामिल हुए।

चीनी मांझे की चपेट में आने से चिकित्सक की मौत

जौनपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में चीनी मांझे की चपेट में आने स एक चिकित्सक की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना लाइन बाजार थानाक्षेत्र के पचहटिया गांव के पास प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के सामने हुई।

पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि केराकत कोतवाली क्षेत्र निवासी डॉ. मोहम्मद शमीर फिजियो थेरेपीस्ट और एक निजी चिकित्सक थे। डॉ. शमीर बुधवार सुबह मोटरसाइकिल से जौनपुर मुख्यालय किसी चिकित्सक से मिलने आए थे और वापस लौटते समय प्रसाद इंटरनेशनल स्कूल के पास अचानक सड़क पर फैले चीनी मांझे की चपेट में आ जाने से उनकी गर्दन कट गई। मौके पर पहुंचे यातायात निरीक्षक सुशील मिश्र ने तत्काल घायल को जिला अस्पताल भिजवाया, जहां उनकी मौत हो गई। क्षेत्राधिकारी (नगर) गोल्डी गुप्ता ने बताया कि पुलिस चीनी मांझे पर पूरी तरह रोक लगाना का प्रयास कर रही है लेकिन ऑनलाइन बिक्री की वजह से रोक लगाना पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है।

यह मेरा दिन नहीं था, इस स्तर पर आप आसान मुकाबलों की उम्मीद नहीं कर सकते : सिंधू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की स्टार महिला एकल खिलाड़ी पीवी सिंधू ने इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट के पहले दौर में बुधवार को तीन गेम में शिकस्त के बाद कहा कि यह उनका दिन नहीं था और इस स्तर पर आसान अंकों या आसान जीत की उम्मीद नहीं की जा सकती। दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी और 2017 की चैंपियन सिंधू को एक घंटा और आठ मिनट चले पहले दौर के मुकाबले में दुनिया की 23वें नंबर की वियतनाम की खिलाड़ी थुई लिन एनगुएन के खिलाफ 22-20, 12-21, 15-21 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

पिछले हफ्ते मलेशिया ओपन सुपर 1000 के सेमीफाइनल में पहुंची सिंधू ने मैच के बाद कहा, ''मुझे नहीं लगता कि यह मेरा दिन था। उसके (एनगुएन के) खिलाफ खेलना आसान नहीं होता। उसके पास अच्छे शॉट हैं और आपको लय बरकरार रखनी होती है। अहम लम्हों में छोटी-छोटी गलतियां निर्णायक होती हैं और मैंने महत्वपूर्ण समय में गलतियां की।'' उन्होंने कहा, ''मुझे निश्चित रूप से अपने खेल में अधिक निरंतरता दिखाने की जरूरत है। मुझे विरोधी खिलाड़ी को आसान या लगातार अंक देने से बचना होगा। मुझे प्रत्येक अंक और रैली के बाद तुरंत अगले अंक के लिए तैयार रहना होगा। इसमें कोई कोताही नहीं बरती जा सकती।''

सिंधू ने कहा कि हार-जीत लगी रहती है और अब अगले टूर्नामेंट की तैयारी करने का समय है। उन्होंने कहा, ''पहला गेम जीतने के बाद मैंने दूसरा गेम गंवा दिया। तीसरे गेम में स्कोर 11-10 था (एनगुएन के पक्ष में) लेकिन इसके बाद उसने दो या तीन अंक की बढ़त बनाई और फिर अंतर को बढ़ाती चली गई।'' सिंधू ने कहा, ''उसके पास गंवाने के लिए कुछ नहीं था इसलिए वह और खतरनाक हो गई। हार और जीत लगी रहती है और अब मुझे अगले टूर्नामेंट की तैयारी करनी होगी।'' सिंधू को एनगुएन के खिलाफ लगातार तीसरी हार का सामना करना पड़ा लेकिन उन्होंने कहा कि पिछले मुकाबलों के नतीजे मायने नहीं रखते। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हर कोर्ट अलग होता है। मैं तो यह कहूंगी कि हर शटल अलग होती है। कभी-कभी वे ड्रिफ्ट करती हैं तो कभी कोर्ट धीमा तो कभी तेज होता है। मैं शिकायत नहीं कर रही क्योंकि यह दोनों खिलाड़ियों के लिए एक जैसा है।''

इस साल एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप भी होनी है लेकिन सिंधू ने कहा कि वह व्यस्त कार्यक्रम के बीच एक बार में एक टूर्नामेंट पर ध्यान लगा रही हैं।

अयोध्या में चार साल की बच्ची से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में चार साल की एक बच्ची से दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को पूराकलंदर थाना क्षेत्र के एक गांव में चार वर्षीय एक बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी कि तभी कुन्नन (20) नाम का एक युवक उसे बहला-फुसलाकर एक सुनसान जगह पर ले गया और उससे दुष्कर्म किया। पुलिस के मुताबिक, बच्ची की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और खुद को घिरा देखकर आरोपी ने भागने की कोशिश की लेकिन ग्रामीणों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि कुन्नन पहले भी दुष्कर्म के मामले में जेल जा चुका है और वह तीन महीने पहले ही जेल से छूटा था। उन्होंने बताया कि घटना के बाद गांव में गुस्सा है और लोगों ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी आशुतोष तिवारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

मेजबानी करते हुए हर देश में कोई ना कोई कमी होती है : श्रीकांत

नई दिल्ली/भाषा। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने बुधवार को कहा कि उन्हें इंडिया ओपन की मेजबानी कर रहे इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेलने की स्थितियों में कुछ भी गलत नहीं लगा और हर मेजबान देश में कोई ना कोई कमी होती ही है। भारत के दिग्गज खिलाड़ी श्रीकांत ने साथ की कहा कि ऐसी चुनौतियां खेल का हिस्सा हैं और यह किसी एक मेजबान देश तक सीमित नहीं हैं और प्रत्येक मेजबान स्थल पर कमियां नजर आती हैं। डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट ने इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर की सुविधाओं और आसपास के माहौल की आलोचना करते हुए उसे गंदा और स्वास्थ्य के लिए खराब बताया था। उन्होंने विश्व बैडमिंटन महासंघ से इस साल अगस्त में इसी स्थल पर होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले दखल देने का आग्रह किया था। हमवतन थारुन को पहले दौर के कड़े मुकाबले में हराने के बाद 2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत ने कहा कि उन्हें यह बात समझ ही नहीं आ रही कि मेजबान स्थल की आलोचना क्यों हो रही है।

वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित को पीछे छोड़कर फिर से शीर्ष पर पहुंचे विराट कोहली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की शृंखला के पहले मैच में शानदार अर्धशतक बनाने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में रोहित शर्मा को पीछे छोड़कर फिर से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। यह 37 वर्षीय बल्लेबाज जुलाई 2021 के बाद पहली बार नंबर एक रैंकिंग पर पहुंचा है। पहले वनडे में सस्ते में आउट होने के कारण पूर्व कप्तान रोहित तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। भारत ने रविवार को खेले गए पहले मैच में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया था। इस मैच में कोहली ने 91 गेंदों पर 93 रन बनाए। इस पारी के दौरान वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में सचिन तेंदुलकर के बाद दूसरे स्थान पर पहुंच गए। वनडे में कोहली का हाल का प्रदर्शन शानदार रहा है। उन्होंने पिछले पांच मैच में कम से कम अर्धशतक जरूर लगाया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नाबाद 74 रन, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 135, 102 और नाबाद 65 रन और न्यूजीलैंड के खिलाफ 93 रन बनाए।

कोहली ने अक्टूबर 2013 में पहली बार शीर्ष रैंकिंग हासिल की थी। उन्होंने 11वीं बार बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वह अब तक कुल 825 दिन शीर्ष पर रह चुके हैं जो किसी भारतीय बल्लेबाज का रिकॉर्ड है। भारत के वनडे कप्तान शुभमन गिल ने अपना पांचवां स्थान बरकरार रखा है, जबकि श्रेयस अय्यर शीर्ष 10 में शामिल अन्य भारतीय बल्लेबाज हैं। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डैरिल मिचेल पहले वनडे में 71 गेंदों पर 84 रन की तूफानी पारी खेलने से एक पायदान आगे दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह कोहली (785 अंक) से केवल एक रेटिंग अंक पीछे हैं। मिचेल के साथी खिलाड़ी डेवोन कॉनवे तीन पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

सुविचार

जो हम दूसरो को देंगे वही हमारे पास वापिस आएगा चाहे वह इज्जत हो मान सम्मान हो या धोखा हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यह टकराव टालें, जीवन बचाएं

उच्चतम न्यायालय ने सरकारों द्वारा आवारा जानवरों से संबंधित नियमों के क्रियान्वयन को लेकर पर्याप्त कदम नहीं उठाए जाने पर चिंता जताते हुए आम आदमी की परेशानियों की ओर ध्यान दिया है। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर गंभीरता से चर्चा करने की जरूरत है। देश में इन्सान और जानवर, दोनों के जीवन की रक्षा होनी चाहिए। जब कभी कोई आवारा जानवर राह चलते लोगों को टक्कर मार देता है या कोई श्वान (डॉग) किसी को काट लेता है तो यह कहकर मामले से पल्ला झाड़ लिया जाता है कि 'ये तो जानवर हैं, इनमें समझ नहीं है'! हर साल इन घटनाओं में लाखों लोग घायल होते हैं। कुछ तो जान गंवा देते हैं। अब समय आ गया है कि सरकारें ऐसे ठोस कदम उठाएं, जो इन्सान और जानवर, दोनों के जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करें। यह कितनी बड़ी समस्या है, इसका अंदाजा उच्चतम न्यायालय की इस टिप्पणी से लगाया जा सकता है, 'श्वानों के काटने से बच्चों या बुजुर्गों की मौत या चोट के हर मामले के लिए हम राज्य सरकारों से भारी मुआवजा देने की मांग करेंगे, क्योंकि उन्होंने पिछले पांच वर्षों में नियमों के कार्यान्वयन के संबंध में कुछ नहीं किया है।' जानवरों के साथ प्रेम जताना, उनके लिए भोजन-पानी का प्रबंध करना सराहनीय है। कई लोग और संगठन वर्षों से ऐसा कर रहे हैं। उन्हें इस बात की ओर भी ध्यान देना चाहिए कि जानवर अपने सुरक्षित क्षेत्रों में रहें। उनका जीवन खतरे में न पड़े। साथ ही, उनकी वजह से इन्सानों का जीवन भी खतरे में न पड़े।

दिल्ली में एक 20 वर्षीय बाइक सवार का आवारा श्वानों ने पीछा किया। इससे वह बुरी तरह घबराया और गिर पड़ा। अस्पताल में उसकी मौत हो गई। श्वानों का कुछ नहीं बिगड़ा। अब वे किसी अन्य बाइक सवार के पीछे दौड़ेंगे। तेलंगाना के एक गांव में तीन साल का बच्चा अपने घर के पास खेल रहा था। अचानक आवारा श्वानों के एक झुंड ने उस पर हमला कर दिया। बच्चे की मौत हो गई। आवारा श्वान फिर किसी पर धावा बोलेंगे। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा में अपने घर के आंगन में खेल रहे एक बच्चे को आवारा श्वान ने जबड़े में दबोच लिया। बच्चा सौभाग्यशाली था कि उसकी दादी वहीं मौजूद थीं। वे अपने पोते को श्वान के जबड़ों से खींच लाईं। बच्चे की जान तो बच गई, लेकिन वह लहूलुहान हो गया। ये सभी घटनाएं जनवरी की हैं। अभी पूरा साल बाकी है। स्वच्छता के लिए चर्चा में रहने वाले एक शहर के आंकड़े चौंकाने वाले हैं। वहां साल 2025 में आवारा जानवरों द्वारा काटे जाने की वजह से लगभग 55,000 लोग घायल हुए थे। इनमें श्वानों के हमले से घायलों का आंकड़ा 48,000 से ज्यादा रहा। कई जगह तो आवारा श्वानों का भारी खौफ है। वहां से लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। वे सुबह स्कूली बच्चों और बाइक सवारों को देखते ही उनकी ओर सरपट दौड़ लगाते हैं। अगर लोग बचने के लिए दौड़ें तो श्वान और तेज दौड़ते हैं। अगर लोग न दौड़ें तो श्वान धावा बोल सकते हैं। कार सवारों के लिए थोड़ी राहत रहती है। वे श्वानों के हमलों से काफी हद तक सुरक्षित रहते हैं, लेकिन कोई श्वान उनके पीछे दौड़ते हुए चोटिल हो जाए तो अन्य लोग इस मामले को क्रूरता से जोड़कर देखते हैं। पिछले साल पंजाब में एक स्कूल बस चालक को स्थानीय लोगों ने बुरी तरह पीट दिया था, क्योंकि बस के पिछले टायर की चपेट में आने से एक श्वान की मौत हो गई थी। ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए सरकारों को जल्द कदम उठाने चाहिएं। जानवर इधर-उधर न भटकें। उन्हें निर्धारित स्थानों पर ही रखा जाए। जो लोग उन्हें भोजन-पानी देना चाहें, वे उधर जाकर दें। इन्सानों के साथ उनका टकराव टालें।

ट्वीटर टॉक

भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य और पराक्रम का साक्षी बनने जा रही सेना दिवस परेड के लिए जयपुर और समस्त राजस्थान पूरी तरह तैयार है। 15 जनवरी को होने वाला यह ऐतिहासिक आयोजन राष्ट्रभक्ति, सम्मान और गौरव की भावना को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा।

-भजनलाल शर्मा

पश्चिमी राजस्थान राव चंद्रसेन, वीर दुर्गादास राठौड़, मेजर शैतान सिंह जी और गंगाराम चौधरी जी जैसे सपूतों की तपस्थली है। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ा रही सेना के कोणार्क सभागार में जोधपुर सब-एरिया द्वारा आयोजित पूर्व सैनिक दिवस समारोह में सहभागिता का सौभाग्य मिला।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

देश में अब तक एसआईआर की प्रक्रिया 8 बार हुई है, जिसमें 7 बार कांग्रेस का शासन रहा है, तब ये सही थी ? बिना किसी प्रमाण के भाजपा नेताओं और चुनाव आयोग पर आरोप लगाना कांग्रेस की हताशा और गैर-जिम्मेदार राजनीति को उजागर करता है।

-मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

मिठास के जुड़ाव से मजबूती

मकर संक्रांति का पावन पर्व था। सत्संग के उपरांत गुरुवर शिष्यों को प्रसाद स्वरूप तिल-गुड़ के लड्डू वितरित कर रहे थे। एक शिष्य ने उनसे तिल-गुड़ के महत्व पर प्रश्न किया। गुरुजी ने अपनी मुट्ठी में कुछ तिल लेते हुए कहा, 'देखो ये तिल 'अलगाव' के प्रतीक हैं। ये अलग-अलग दाने हैं। इसलिए ज़रा सी ठोकर लगते ही बिखर जाते हैं। अलग होने के कारण इनका सामर्थ्य व उपादेयता भी कम हो जाती है।' फिर उन्होंने लड्डू की ओर इशारा करते हुए समझाया, 'परंतु जब इन्हीं तिलों को गुड़ की चाशनी में मिलाया जाता है, तो ये बिखरते नहीं हैं।

ठीक इसी तरह, जब अलग-अलग स्वभाव वाले व्यक्ति (तिल) आत्मीयता के बंधन (गुड़) के साथ बंधते हैं, तो वे एक 'संगठन के रूप में मजबूत' हो जाते हैं।' मकर संक्रांति का पर्व का एक संदेश यह भी है कि अकेले हम तिल की तरह कमजोर हैं, लेकिन 'आत्मीय रिश्तों की मिठास' से जुड़कर गुड़ की मिठास में गुंथे लड्डू की भांति मजबूत हो जाते हैं। जीवन की सार्थकता बिखरने में नहीं, प्रेम से जुड़ने में है।

सामयिक

पश्चिम एशिया की राजनीति पर ईरान संकट की छाया

नृपेन्द्र अभिषेक 'नृप'

मोबाइल : 9955818270

तेहरान की उथल-पुथल केवल ईरान की समस्या नहीं है, बल्कि यह उस पूरे क्षेत्र की सहनशक्ति की परीक्षा है, जो पहले से ही संघर्ष, असमानता और बदलते शक्ति-संतुलनों से जूझ रहा है। ईरान इस संकट से कैसे निकलता है, यह पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक भविष्य को आकार देगा, चाहे वह ऊर्जा प्रवाह हो, सुरक्षा ढाँचा हो या महान शक्तियों की प्रतिस्पर्धा। भारत जैसे देशों के लिए चुनौती प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि सक्रिय रणनीति अपनाने की है, संभावित परिणामों का पूर्वानुमान लगाने, अपने हितों की रक्षा करने और जहाँ संभव हो, क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देने की। तेहरान की घड़ी जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, उसके कंपन दूर-दराज़ तक महसूस किए जा रहे हैं, यह याद दिलाते हुए कि निर्णायक राज्यों के आंतरिक संकट कभी भी केवल उनकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहते।

आज का ईरान इतिहास के ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा है जहाँ आर्थिक बदहाली, सामाजिक अशांति और भू-राजनीतिक टकराव एक-दूसरे में घुलकर एक गहरे और अस्थिर संकट का रूप ले चुके हैं। ईरान के विभिन्न शहरों में भड़क रहे जन-आंदोलन केवल क्षणिक जनाक्रोश की अभिव्यक्ति नहीं हैं, बल्कि वे उस संरचनात्मक विफलता की ओर संकेत करते हैं, जिसकी जड़ें बेलगाम महँगाई, बढ़ती बेरोज़गारी, मुद्रा के अवमूल्यन और शासक व्यवस्था तथा युवा, हताश होती जा रही आबादी के बीच गहराते अंतर में निहित हैं। वर्तमान असंतोष को पूर्व आंदोलनों से अलग करने वाली बात इसकी व्यापकता और निरंतरता है। यह असंतोष वर्ग, जातीयता और क्षेत्रीय सीमाओं को पार करता हुआ आर्थिक पीड़ाओं को राजनीतिक असहमति में रूपांतरित कर चुका है। तेहरान जब इस आंतरिक उथल-पुथल को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है, तब इसके प्रभाव ईरान की सीमाओं से कहीं आगे तक महसूस किए जा रहे हैं, जिससे पश्चिम एशिया में भूचाल-सरीखे झटके उत्पन्न हो रहे हैं और भारत सहित क्षेत्रीय व वैश्विक शक्तियों को अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने को विवश होना पड़ रहा है। ईरान के घरेलू संकट के मूल में एक अत्यंत दबावग्रस्त अर्थव्यवस्था है। वर्षों से चले आ रहे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों ने, जिनके साथ शासन की अक्षमता और क्षेत्रीय हस्तक्षेप भी जुड़े रहे, आम नागरिक के जीवन की बुनियादी संरचना को कमजोर कर दिया है। महँगाई ऐसे स्तर तक पहुँच चुकी है जिसने मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी है और रोज़मर्रा की आवश्यक वस्तुओं को आम लोगों की पहुँच से बाहर कर दिया है। रियाल मुद्रा का तीव्र अवमूल्यन केवल क्रय-शक्ति की गिरावट का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक प्रबंधन क्षमता पर जनता के विश्वास के क्षरण का भी संकेत है। जहाँ पहले विरोध प्रदर्शन मुख्यतः शहरी अभिजात वर्ग या किसी एक सामाजिक समूह तक सीमित रहते थे, वहीं वर्तमान आंदोलन में बाज़ारों के व्यापारी, श्रमिक, छात्र और हाशिए पर खड़े समुदाय सभी शामिल हैं। यह साझा आर्थिक पीड़ा एक ऐसे असामान्य गठबंधन को जन्म दे रही है, जो व्यवस्था के लिए कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण सिद्ध हो रहा है।

समय के साथ यह आर्थिक संकट राजनीतिक रूप धारण करता जा रहा है। अब प्रदर्शनकारी केवल नीतिगत विफलताओं पर प्रश्न नहीं उठा रहे, बल्कि शासन-व्यवस्था की वैधता पर भी सीधा सवाल कर रहे हैं। राज्य की प्रतिक्रिया, जिसमें बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ, इंटरनेट बंदी और बल प्रयोग शामिल हैं- नई नहीं है, किंतु इस बार दाँव कहीं अधिक ऊँचे हैं। ईरान की जनसंख्या अपेक्षाकृत युवा है, वैश्विक दुनिया से अधिक जुड़ी हुई है और उन वैचारिक आख्यानों को स्वीकार करने को तैयार नहीं, जो हर असहमति को विदेशी साज़िश बताकर खारिज कर देते हैं। दमन की प्रत्येक कार्रवाई शासकों और जनता के बीच की खाई को और चौड़ा कर रही है, जिससे शासन की स्थिरता और अधिक असुरक्षित होती जा रही है तथा लंबे समय तक चलने वाली अस्थिरता का खतरा बढ़ रहा है। इसके बावजूद, ईरानी शासन के पास नियंत्रण के शक्तिशाली साधन अब भी मौजूद हैं। इस व्यवस्था के केंद्र में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) है, जो केवल एक सैन्य बल नहीं, बल्कि एक विशाल राजनीतिक-आर्थिक संरचना भी है, जिसकी व्यवस्था की निरंतरता में गहरी हिस्सेदारी है। सुरक्षा, उद्योग और क्षेत्रीय सहयोगी नेटवर्कों में आईआरजीसी का प्रभाव शासन को असंतोष दबाने और सीमाओं के बाहर शक्ति प्रक्षेपित करने में सक्षम बनाता है। किंतु राजनीति का यह बढ़ता सैन्यीकरण दीर्घकालिक लागत भी लेकर आता है। जब सहमति का स्थान बल ले लेता है, तब व्यवस्था की आंतरिक दुर्बलता उजागर हो जाती है और सुधार या संवाद की संभावनाएँ सीमित हो जाती हैं।

ईरान का यह आंतरिक संकट पहले से ही संघर्षों से जूझ रहे क्षेत्र में गूंज पैदा कर रहा है। इराक, सीरिया, लेबनान और यमन में सहयोगी मिलिशिया और राजनीतिक ताकतों के माध्यम से ईरान का प्रभाव फैला हुआ है, जिसे प्रायः प्रतिरोध की धुरी कहा जाता है। घरेलू अस्थिरता के लंबे खिंचने से यह प्रश्न उठता है कि क्या ईरान इस नेटवर्क को बनाए रखने में सक्षम रहेगा। एक कमजोर ईरान जहाँ अपने बाहरी हस्तक्षेप कम कर सकता है, वहीं वह राष्ट्रवादी भावनाओं को उभारने या कथित खतरों को रोकने के लिए अधिक आक्रामक रुख भी अपना सकता है। यह अनिश्चितता विशेष रूप से खाड़ी देशों को चिंतित करती है, जिन्हें ईरान के पतन और उसके आक्रामक व्यवहार दोनों से भय है। ईरान की उथल-पुथल पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया एक परिचित विभाजन को दर्शाती है। अमेरिका और इज़राइल इस संकट को मुख्यतः सुरक्षा और परमाणु जोखिम के दृष्टिकोण से देखते हैं। वॉशिंगटन के लिए ईरान पर आंतरिक दबाव उसके क्षेत्रीय व्यवहार और परमाणु महत्वाकांक्षाओं को सीमित करने का एक साधन है, भले ही इससे गलत आकलन का खतरा बना रहे। इज़राइल ईरान को अस्तित्वगत खतरे के रूप में देखता है और अस्थिरता को एक अवसर तथा एक जोखिम, दोनों के रूप में परखता है। अवसर इसलिए कि शत्रुतापूर्ण शासन कमजोर हो सकता है, और जोखिम इसलिए कि अराजकता परमाणु तनाव या प्रॉक्सी युद्धों को तेज कर सकती है। इस संदर्भ में सार्वजनिक बयानबाज़ी और गुप्त कार्रवाइयाँ तनाव घटाने के बजाय ईरान की कठोरता को और बढ़ा सकती हैं।

इसके विपरीत, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे क्षेत्रीय खिलाड़ी अधिक सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। आर्थिक विविधीकरण और क्षेत्रीय स्थिरता में भारी निवेश कर चुके ये देश जानते हैं कि ईरान का पतन शरणार्थी संकट, ऊर्जा बाज़ारों में उथल-पुथल और सांप्रदायिक हिंसा को जन्म दे सकता है। वे ईरानी प्रभाव में कमी का स्वागत कर सकते हैं, लेकिन ऐसे शक्ति-शून्य से भी डरते हैं जो उनकी विकास योजनाओं को पटरी से उतार दे। यह व्यावहारिक तटस्थता क्षेत्र में वैचारिक टकराव से हटकर जोखिम प्रबंधन और आर्थिक प्राथमिकताओं की ओर बढ़ते झुकाव को दर्शाती है। रूस और चीन ईरान की स्थिति को आंतरिक मामला बताते हुए संप्रभुता और गैर-हस्तक्षेप पर बल देते हैं। मॉस्को के लिए ईरान सीरिया में एक रणनीतिक साझेदार और पश्चिमी प्रभाव के विरुद्ध संतुलन का साधन है, जबकि बीजिंग ऊर्जा सुरक्षा और बेल्ट एंड रोड पहल के तहत दीर्घकालिक संपर्क को प्राथमिकता देता है। फिर भी, ये दोनों शक्तियाँ ईरान की आंतरिक दिशा को निर्णायक रूप से प्रभावित करने में सक्षम या इच्छुक प्रतीत नहीं होतीं। उनका समर्थन कूटनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण है, किंतु वह घरेलू वैधता या आर्थिक पुनरुत्थान का विकल्प नहीं बन सकता।

भारत के लिए ईरान की उथल-पुथल तात्कालिक और बहु-स्तरीय चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है। प्रतिबंधों के कारण भले ही भारत का प्रत्यक्ष आर्थिक जुड़ाव कम हुआ हो, पर व्यापक प्रभाव अत्यंत गहरे हैं। अफगानिस्तान, मध्य एशिया और यूरेशिया तक भारत की पहुँच में ईरान की भू-रणनीतिक भूमिका अहम है, विशेषकर चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे के माध्यम से। लंबे समय तक बनी रहने वाली अस्थिरता या कड़े प्रतिबंध इन संपर्क परियोजनाओं को कमजोर कर सकते हैं, जिससे भारत की रणनीतिक क्षमता और क्षेत्रीय आकांक्षाएँ प्रभावित होंगी। ऊर्जा सुरक्षा भी भारत के लिए चिंता का एक बड़ा क्षेत्र है। प्रत्यक्ष संघर्ष के बिना भी ईरान में अस्थिरता वैश्विक ऊर्जा बाज़ारों में अनिश्चितता पैदा करती है, विशेषकर यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ता है। समुद्री व्यापार मार्गों में बाधा आने से परिवहन और बीमा लागत बढ़ सकती है, जिसका प्रभाव भारत में महँगाई पर पड़ेगा। यदि सैन्य टकराव जैसी स्थिति उत्पन्न होती है, तो उसका आर्थिक दुष्प्रभाव केवल तेल कीमतों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि व्यापार, निवेश और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा तक फैलेगा। कूटनीतिक स्तर पर भी भारत के सामने संतुलन साधने की कठिन चुनौती है। नई दिल्ली ने परंपरागत रूप से पश्चिम एशिया में सावधान तटस्थता की नीति अपनाई है, जिसमें ईरान, इज़राइल और खाड़ी देशों-सभी से संबंध बनाए गए हैं। किंतु जैसे-जैसे महान शक्तियों की प्रतिस्पर्धा तीव्र होती जा रही है और क्षेत्रीय विभाजन गहरे हो रहे हैं, यह संतुलन बनाए रखना कठिन होता जा रहा है। भारत को वैचारिक पक्षधरता के बजाय स्थिरता और व्यावहारिक हितों को प्राथमिकता देते हुए रणनीतिक साझेदारियों और संवाद के बीच संतुलन साधना होगा। आगे की राह पर दृष्टि डालें तो ईरान का संकट कई दिशाओं में विकसित हो सकता है। एक संभावना यह है कि एक अधिक सैन्यीकृत शासन उभरे, जहाँ आईआरजीसी व्यवस्था को बनाए रखने के लिए धार्मिक नेतृत्व को पीछे धकेलते हुए सीमित प्रतिबंध राहत की कोशिश करे। दूसरी स्थिति अराजक विखंडन की हो सकती है, जहाँ लंबा असंतोष केंद्रीय नियंत्रण को कमजोर कर दे और स्थानीय संघर्षों को जन्म दे। सबसे कम संभावित, किंतु सबसे परिवर्तनकारी विकल्प एक ऐसा वार्तामूलक संक्रमण होगा, जो आंतरिक सहमति और बाहरी मध्यस्थता के माध्यम से ईरान की राजनीतिक संरचना और क्षेत्रीय भूमिका को नया रूप दे। इन सभी रास्तों के पश्चिम एशिया और वैश्विक व्यवस्था पर दूरगामी प्रभाव होंगे।

तेहरान की उथल-पुथल केवल ईरान की समस्या नहीं है, बल्कि यह उस पूरे क्षेत्र की सहनशक्ति की परीक्षा है, जो पहले से ही संघर्ष, असमानता और बदलते शक्ति-संतुलनों से जूझ रहा है। ईरान इस संकट से कैसे निकलता है, यह पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक भविष्य को आकार देगा, चाहे वह ऊर्जा प्रवाह हो, सुरक्षा ढाँचा हो या महान शक्तियों की प्रतिस्पर्धा। भारत जैसे देशों के लिए चुनौती प्रतिक्रियात्मक नहीं, बल्कि सक्रिय रणनीति अपनाने की है, संभावित परिणामों का पूर्वानुमान लगाने, अपने हितों की रक्षा करने और जहाँ संभव हो, क्षेत्रीय स्थिरता में योगदान देने की। तेहरान की घड़ी जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, उसके कंपन दूर-दराज़ तक महसूस किए जा रहे हैं, यह याद दिलाते हुए कि निर्णायक राज्यों के आंतरिक संकट कभी भी केवल उनकी सीमाओं तक सीमित नहीं रहते।

नजरिया

शक्ति, रणनीति और शहादत का संगम है भारतीय सेना

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

प्रतिवर्ष 15 जनवरी को भारतीय सेना दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष हम 78वां सेना दिवस मना रहे हैं। सेना दिवस के अवसर पर पूरा देश थलसेना के अदम्य साहस, जांबाज सैनिकों की वीरता, शौर्य और उसकी शहादत को याद करता है। इस विशेष अवसर पर जवानों के दस्ते और अलग-अलग रेजीमेंट की परेड के अलावा झांकियां भी निकाली जाती हैं और उन सभी बहादुर सेनानियों को सलामी दी जाती है, जिन्होंने देश और लोगों की सलामती के लिए अपना जीवन न्यौछावर कर दिया। 15 जनवरी को ही यह दिवस मनाए जाने का विशेष कारण यही है कि 1899 में कर्नाटक के कुर्ग में जन्मे लेफ्टिनेंट जनरल केएम करियप्पा आज ही के दिन वर्ष 1949 में भारतीय सेना के पहले कमांडर-इन-चीफ बने थे। उन्होंने 15 जनवरी 1949 को ब्रिटिश जनरल फ्रांसिस बुचर से भारतीय सेना की कमान संभाली थी। जनरल फ्रांसिस बुचर भारत के आखिरी ब्रिटिश कमांडर-इन-चीफ थे। वर्ष 1953 में वे भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हुए और 94 वर्ष की आयु में 1993 में उनका निधन हुआ। केएम करियप्पा दूसरे ऐसे सेना अधिकारी थे, जिन्हें फील्ड मार्शल की उपाधि दी गई थी।

भारतीय थल सेना का गठन ईस्ट इंडिया कम्पनी की सैन्य टुकड़ी के रूप में कोलकाता में 1776 में हुआ था, जो बाद में ब्रिटिश भारतीय सेना बनी और देश की आजादी के बाद इसे भारतीय थल सेना' नाम दिया गया। भारतीय सेना की 53 छावनियां और 9 आर्मी बेस हैं और चीन तथा अमेरिका के साथ भारतीय सेना दुनिया की तीन सबसे बड़ी सेनाओं में शामिल है। हमारी सेना संयुक्त राष्ट्र के शांति अभियानों में सबसे बड़ी योगदानकर्ताओं में से एक है। यह दुनिया की कुछेक ऐसी सेनाओं में से एक है, जिसने कभी भी अपनी ओर से युद्ध की शुरूआत नहीं की। भारतीय सेना के ध्वज का बैकग्राउंड लाल रंग का है, ऊपर बायीं ओर तिरंगा झंडा, दायीं ओर भारत का राष्ट्रीय चिह्न और तलवार हैं। सेना दिवस के अवसर पर सेना प्रमुख को सलामी दी जाती रही है लेकिन 2020 में पहली बार सेना प्रमुख के स्थान पर देश के प्रथम सीडीएस बने जनरल बिपिन रावत को सलामी दी गई थी।

देश की आजादी के बाद भारतीय सेना पांच बड़े युद्ध लड़ चुकी है, जिनमें चार पाकिस्तान के खिलाफ और एक चीन के साथ लड़ा था। देश की आजादी के बाद 1947-48 में हुए भारत-पाक युद्ध को 'कश्मीर युद्ध' नाम से भी जाना जाता है, जिसके बाद कश्मीर का भारत में विलय हुआ था। 1962 में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा धोखे से थाग-ला-रिज पर भारतीय सेना पर हमला बोल दिया गया था। उस जमाने में भातीय सेना के पास स्वचालित और आधुनिक हथियार नहीं होते थे, इसलिए चीन को रणनीतिक बढ़त मिली थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध के बाद 1971 में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को करारी शिकस्त दी थी। 13 दिनों तक चले उस युद्ध के बाद ही पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का जन्म हुआ और पाकिस्तानी जनरल नियाजी के साथ 90 हजार पाक सैनिकों ने जांबाज भारतीय सेना के समक्ष हथियार डाल दिए थे। मई से जुलाई 1999 तक चले कारगिल युद्ध में तो भारतीय सेना ने पाकिस्तान को छठी का दूध याद दिला दिया था।

आज पूरी दुनिया भारतीय सेना का लोहा मानती है। आधुनिक हथियारों और प्रौद्योगिकी के साथ भारतीय सेना एक विश्वस्तरीय सेना है। सेना दिवस के महत्वपूर्ण अवसर पर चीन द्वारा वर्तमान में लगातार पेश की जा रही चुनौतियों के दौर में भारतीय सेना की निरन्तर बढ़ती ताकत का उल्लेख करना बेहद जरूरी है। 2025 की 'ग्लोबल फायरपावर रिपोर्ट' के अनुसार भारतीय सेना की गिनती दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेनाओं में की जाती है। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय थल सेना के जखीरे में कई तरह के आधुनिक हथियार शामिल हैं, जिनमें आधुनिक टैंकों के साथ बैलिस्टिक मिसाइलें भी हैं। भारत की थल सेना के पास चार हजार से अधिक टैंक हैं। इसके अलावा भारतीय सेना के जखीरे में एक लाख से अधिक आर्म्ड व्हीकल भी शामिल हैं। थल सेना के पास 100 सेल्फ प्रोपेल्ड आर्टिलरी, 3300 हल्की आर्टिलरी भी हैं तथा थल सेना के बेड़े में करीब 1500 रॉकेट आर्टिलरी भी शामिल हैं।

भारतीय सैन्यबल में 14.45 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं, जो दुनिया में दूसरे नंबर पर है। सेना में 12 लाख से ज्यादा आरक्षित बल तथा बीस लाख अर्धसैनिक बल हैं। भारतीय थलसेना में 4600 से ज्यादा टैंक टी-72, टी-90, अर्जुन एमके-1, अर्जुन एमके-2 इत्यादि टैंक, 5 हजार से ज्यादा तोपें, 290 स्वचालित तोपें, 290 से ज्यादा रॉकेट तोपें तथा 8600 बख्तरबंद वाहन शमिल हैं। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय थलसेना हर परिस्थिति में चीनी सेना से बेहतर और अनुभवी है, जिसके पास युद्ध का बड़ा अनुभव है, जो कि विश्व में शायद ही किसी अन्य देश के पास हो। भले ही चीन के पास भारत से ज्यादा बड़ी सेना और सैन्य साजो-सामान है लेकिन आज के परिप्रेक्ष्य में दुनिया में किसी के लिए भी इस तथ्य को नजरअंदाज करना संभव नहीं हो सकता कि भारत की सेना को अब धरती पर दुनिया की सबसे खतरनाक सेना माना जाता है और सेना के विभिन्न अंगों के पास ऐसे-ऐसे खतरनाक हथियार हैं, जो चीनी सेना के पास भी नहीं हैं। धरती पर लड़ी जाने वाली लड़ाईयों के लिए भारतीय सेना की गिनती दुनिया की सर्वश्रेष्ठ सेनाओं में होती है और कहा जाता है कि अगर किसी सेना में अंग्रेज अधिकारी, अमेरिकी हथियार और भारतीय सैनिक हों तो उस सेना को युद्ध के मैदान में हराना असंभव होगा।

जापान के एक आकलन के मुताबिक भारतीय थलसेना चीन के मुकाबले ज्यादा मजबूत है। इस रिपोर्ट के अनुसार हिन्द महासागर के मध्य में होने के कारण भारत की रणनीतिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है और दक्षिण एशिया में अब भारत का काफी प्रभाव है। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट सीएनएन की एक रिपोर्ट में भी दावा किया जा चुका है कि भारत की ताकत पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा बढ़ गई है और युद्ध की स्थिति में भारत का पलड़ा भारी रह सकता है। बोस्टन में हार्वर्ड केनेडी स्कूल के बेलफर सेंटर फॉर साइंस एंड इंटरनेशनल अफेयर्स तथा वाशिंगटन के एक अमेरिकी सुरक्षा केन्द्र के अध्ययन में कहा जा चुका है कि भारतीय सेना उच्च ऊंचाई वाले इलाकों में लड़ाई के मामले में माहिर है और चीनी सेना इसके आसपास भी नहीं फटकती।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

धर्म आधारित राजनीति पर कांग्रेस की लचीली नीति ने देश का नुकसान किया : अरशद मदनी

नई दिल्ली/भाषा। जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कांग्रेस पर अपने शासनकाल के दौरान धर्म आधारित राजनीति के प्रति लचीली नीति अपनाने का बुधवार को आरोप लगाया और दावा किया कि अगर पार्टी ने 77 साल पहले सांप्रदायिकता के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया होता तो वह सत्ता से बाहर नहीं होती।

प्रतिष्ठित मुस्लिम संगठन के दो समूहों में से एक की अगुवाई करने वाले मदनी ने कहा कि अगर 77 साल पहले सांप्रदायिकता के सिर को दृढ़ता से कुचल दिया गया होता तो देश को विनाश से बचाया जा सकता था।बुजुर्ग मुस्लिम नेता ने कहा, कांग्रेस ने अपने शासन काल में धर्म के आधार पर नफ़रत की राजनीति पर जो लचीली नीति अपनाई उसने देश और संविधान दोनों को बड़ा नुक़सान पहुंचाया। आज जिस तरह संविधान और लोकतांत्रिक चरित्रों को खुले तौर पर मिटाया जा रहा है, इसकी कल्पना आज़ादी आंदोलन में शामिल रहे हमारे पूर्वजों ने कभी नहीं की होगी। उन्होंने कहा, जिन रेखाओं पर आज़ाद भारत के संविधान की नींव रखी गई, अगर इन्हीं रेखाओं पर संविधान को भी पूरी ईमानदारी के साथ लागू कर दिया जाता तो आज हमें यह दिन न देखने पड़ते।

मदनी ने कहा कि यह एक दुखद सत्य है कि कांग्रेस के नेताओं ने न जाने किस भय से पहले दिन से धर्म के आधार पर नफ़रत की राजनीति के विरोध में एक लचीली नीति अपनाई। उन्होंने आरोप लगाया, सांप्रदायिक शक्तियों के साथ नर्मी बरती गई, संविधान के अनुसार उनके खिलाफ कड़ी क़ानूनी कार्रवाई से बचा गया जिसके नतीजे में सांप्रदायिक शक्तियों को खूब फलने फूलने का अवसर मिला।

मदनी ने यह रेखांकित किया कि महात्मा गांधी की हत्या के पीछे सांप्रदायिक शक्तियों का हाथ था। उन्होंने कहा कि अगर उसी समय सांप्रदायिकता के सिर को कुचल दिया जाता तो देश को तबाही से बचाया जा सकता था।

विरोध

रोमानिया के बुखारेस्ट में अमेरिकी एम्बेसी के बाहर ईरानी कम्युनिटी के कुछ सदस्य ईरान के देश निकाला क्राउन प्रिंस रेज़ा पहलवी और प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप के पोस्टर पकड़े हुए हैं।

इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल में पहुंचे इमरान हाशमी

अहमदाबाद/एजेन्सी

साबरमती रिवरफ्रंट पर चल रहे इंटरनेशनल काइट फेस्टिवल 2026 का माहौल रंग-बिरंगा और उत्साह से भरा हुआ है। इस खूबसूरत माहौल में अभिनेता इमरान हाशमी ने शिरकत की। दरअसल, अभिनेता इमरान हाशमी अपनी अपकमिंग सीरीज 'तस्करी' की पूरी स्टारकास्ट के साथ प्रमोशन के लिए पहुंचे।

इस दौरान उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री मोदी और गुजरात टूरिज्म को बधाई देना चाहता हूं। यहां पर मैं पहली बार आया हूं। हालांकि, अहमदाबाद शूटिंग और प्रमोशन के लिए तो कई बार आता रहता हूं। अभिनेता को वहां के माहौल और हेरिटेज का खूबसूरत वातावरण देखकर काफी अच्छा लगा। उन्होंने कहा, यहां पर फूल देश के कोने-कोने से आए हुए हैं। यह फेस्टिवल इतना वाइब्रेंट और कलरफुल है कि यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। इसी के साथ अभिनेता इमरान हाशमी ने अपनी आने वाली सीरीज के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, मेरी वेब सीरीज तस्करी नेटफ्लिक्स पर 14 जनवरी को रिलीज हो रही है। यह एक 7 पार्ट वाली सीरीज है, जो इंटरनेशनल स्मगलिंग और तस्करी पर आधारित है। इसमें फ्लाइट्स और कई जगहों पर होने वाली तस्करी की कहानी दिखाई गई है। मुझे लगता है कि इस तरह के विषयों पर इससे पहले अभी तक कोई फिल्म या सीरीज नहीं आई है। हमारे कस्टम अधिकारी बहुत मेहनत करते हैं, लेकिन उनके योगदान को इस तरह से पहले कभी नहीं दिखाया गया है।

इसी के साथ ही अभिनेता ने अपनी आने वाली फिल्मों के बारे में भी बताया। अभिनेता इमरान हाशमी ने पतंगबाजी के बारे में पूछे जाने पर बताया, मैं बचपन में बहुत पतंगें उड़ाया करता था, लेकिन अब कई साल हो गए हैं, लेकिन मैंने अभी अपनी फिल्म 'हक' में एक शॉट के दौरान पतंग उड़ाई थी, तो पुरानी यादें ताजा हो गई थीं। स्कूल के दिनों में तो बहुत पतंगें उड़ाते थे। यहां पर थोड़ा कोशिश जरूर करूंगा।

'सनातन धर्म का प्रचार करना बंद कर दूंगी'

जबलपुर/भाषा। सोशल मीडिया 'इन्फ्लुएंसर' हर्षा रिछारिया ने बुधवार को कहा कि उन्होंने सनातन धर्म का प्रचार बंद करने का फैसला किया है। पेशेवर प्रस्तुतकर्ता (होस्ट) हर्षा, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुए महाकुंभ मेले से चर्चाओं में आई थीं। मकर संक्रांति के मौके पर नर्मदा नदी में डुबकी लगाने के बाद 31 वर्षीय अभिनेत्री ने यहां 'पीटीआई-वीडियो' सेवा से कहा, हर कोई हिंदू राष्ट्र की बात करता है लेकिन इसका प्रचार करने के लिए आगे आने वाले किसी भी युवा को विरोध का सामना करना पड़ता है।

हर्षा ने कहा कि लगातार आलोचना, मानसिक तनाव और चरित्र पर हमलों ने उन्हें धार्मिक मार्ग से हटने तथा अपने पिछले जीवन में वापस जाने के लिए मजबूर किया है। मॉडल से संन्यासी बनी हर्षा ने कहा, जब आप सही रास्ता चुनते हैं लेकिन जब कुछ धर्म गुरु आपका विरोध करते हैं तो व्यक्ति बहुत निराश होता है। उन्होंने कहा कि वह अपने औपचारिक पेशेवर जीवन में लौटने से पहले गंगा नदी में एक अंतिम डुबकी लगाएंगी।हर्षा ने कहा, 18 जनवरी को मैं प्रयागराज के संगम में डुबकी लगाऊंगी। उन्होंने कहा कि इस अनुष्ठान के साथ वह धार्मिक पथ के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को औपचारिक रूप से समाप्त कर देंगी।हर्षा ने कहा, मेरे चरित्र पर सवाल उठाए गए।

सोशल मीडिया का है आज का दौर : रश्मि देसाई

मुंबई/एजेन्सी

आज का समय पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। छोटे-बड़े ज्यादातर काम ऑनलाइन हो रहे हैं और सोशल मीडिया हर किसी की जिंदगी में गहराई से शामिल हो गया है। ऐसे में अभिनेत्री रश्मि देसाई का कहना है कि अब कोई भी बात या बयान हल्के में नहीं लिया जा सकता। हर शब्द रिकॉर्ड हो जाता है और सोशल मीडिया पर तेजी से फैल सकता है, जिससे गलतफहमी या विवाद पैदा हो सकता है। रश्मि देसाई ने से बात की, जिसमें बताया कि आज के दौर में बातचीत करते समय बहुत सावधानी और जिम्मेदारी बरतनी जरूरी है। उन्होंने बताया, जब हर चीज रिकॉर्ड हो रही हो और कैमरे हर पल कैद कर रहे हों, तो खुलकर बात करना बहुत चुनौतीपूर्ण हो जाता है। टॉक शो 'रश्मि के दिल से दिल तक' की होस्ट ने कहा, यह बहुत मुश्किल है क्योंकि आप ऐसे लोगों से बात करते हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी में कई अनुभव झेले हैं। ऐसे में दूसरों के सामने खुलना आसान नहीं होता, खासकर जब कैमरे ऑन हों। एक बार बात निकल गई तो वह जेरॉक्स की तरह फैल जाती है। लोग छोटी-छोटी क्लिप उठा लेते हैं और अपनी मर्जी से उसका मतलब निकालते हैं। कभी-कभी एक बयान को लेकर पूरी बहस छिड़ जाती है और लोग अपनी-अपनी राय बनाने लगते हैं।

रश्मि का मानना है कि आज के समय में सच्चाई और संवेदनशीलता के साथ बात करना सबसे बड़ी चुनौती और जरूरत दोनों है। उनका यह शो लोगों को न सिर्फ मनोरंजन देगा, बल्कि जीवन के कठिन मोड़ों पर भी हिम्मत और प्रेरणा प्रदान करेगा। सोशल मीडिया ने हर किसी को आवाज देने का प्लेटफॉर्म दे दिया है। आज की टेक्नोलॉजी और एआई के इस दौर में, दुनिया के किसी भी कोने में बैठा व्यक्ति अपनी राय भारत तक पहुंचा सकता है। ऐसे माहौल में स्पष्ट बातचीत करना बहुत जरूरी हो जाता है। रश्मि ने बताया कि उनका शो इसी मकसद से बनाया गया है कि लोग दिल से खुलकर बात कर सकें। उन्होंने कहा, हम गेस्ट को सहज महसूस कराना चाहते हैं। हम किसी के दिमाग को कंट्रोल नहीं कर सकते, लेकिन हम उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक माहौल दे सकते हैं। जिंदगी में बदलाव लगातार आते रहते हैं, इन बदलावों को कैसे स्वीकार किया जाए, यह सीख हमारे दर्शकों के लिए भी प्रेरणा बनेगी। हमारा शो इसी पर आधारित है, असली जिंदगी के अनुभव, भावनाएं और उनसे सीखना, ये सबकुछ शो में शामिल है।

यश की फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर विवादों में

मुंबई/एजेन्सी

कन्नड़ सिनेमा के सुपरस्टार यश की अपकमिंग फिल्म 'टॉक्सिक' अपने टीजर रिलीज के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। जहां एक ओर यश के फैंस इस फिल्म को लेकर जबरदस्त उत्साह में हैं, वहीं दूसरी ओर फिल्म का टीजर अब गंभीर विवादों में फंसता नजर आ रहा है। हाल ही में फिल्म के टीजर के खिलाफ एक कानूनी शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें टीजर पर अश्लीलता फैलाने, सामाजिक मूल्यों को ठेस पहुंचाने और नाबालिगों पर गलत असर डालने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस शिकायत के बाद फिल्म और उसके मेकर्स की मुश्किलें बढ़ती हुई दिख रही हैं। दरअसल, यश ने 9 जनवरी को अपने जन्मदिन के मौके पर फैंस को तोहफे के तौर पर फिल्म 'टॉक्सिक' का टीजर रिलीज किया था। टीजर सामने आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और कुछ ही घंटों में इसे लाखों बार देखा गया। हालांकि, टीजर में दिखाए गए एक बोल्ड और इंटीमेट सीन को लेकर विवाद शुरू हो गया। इस सीन में अभिनेत्री साशा ग्रे नजर आती हैं, जिसे लेकर कई संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताई है।

अब इस मामले में कनकपुरा तालुक (रामनगर जिला) के सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश कल्लाहल्ली ने फिल्म 'टॉक्सिक' के टीजर के खिलाफ सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) में एक औपचारिक कानूनी शिकायत दर्ज कराई है। यह शिकायत सीधे सीबीएफसी के चेयरमैन प्रसून जोशी को संबोधित की गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि फिल्म के टीजर में ऐसे सीन्स शामिल हैं जो बेहद अश्लील, यौन रूप से उत्तेजक और नैतिक रूप से आपत्तिजनक हैं।

शिकायत में कहा गया है कि 'टॉक्सिक' का टीजर बिना किसी उम्र सीमा या चेतावनी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रसारित किया जा रहा है। इससे बच्चे, किशोर और युवा वर्ग आसानी से इस कंटेंट तक पहुंच बना रहे हैं, जो उनके मानसिक और नैतिक विकास के लिए नुकसानदेह हो सकता है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस तरह का कंटेंट भारतीय समाज के सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों के खिलाफ है और इसे सार्वजनिक रूप से दिखाया जाना कानूनन गलत है।

शिकायतकर्ता ने कहा है कि भले ही अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार असीमित नहीं है। सार्वजनिक शालीनता, नैतिकता और सामाजिक व्यवस्था के हित में इस पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का हवाला देते हुए कहा गया है कि अश्लील और यौन रूप से स्पष्ट कंटेंट को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के तहत संरक्षण नहीं दिया जा सकता। इसके अलावा, शिकायत में सिनेमेटोग्राफ एक्ट, 1952, सीबीएफसी के नियमों और सर्टिफिकेशन गाइडलाइंस का भी जिक्र किया गया है। शिकायतकर्ता का कहना है कि सिर्फ फिल्म ही नहीं, बल्कि उसके टीजर और प्रमोशनल मटेरियल भी सीबीएफसी के नियमों के दायरे में आते हैं।

ऐसे में टीजर में इस तरह के सीन दिखाना नियमों का सीधा उल्लंघन है। अगर सीबीएफसी इस मामले में समय रहते कार्रवाई नहीं करता है, तो इसे प्रशासनिक लापरवाही माना जाएगा।

शिकायतकर्ता ने सीबीएफसी से मांग की है कि फिल्म 'टॉक्सिक' के टीजर की तत्काल समीक्षा की जाए और उसमें शामिल सभी आपत्तिजनक और अश्लील सीन्स को हटाने का निर्देश दिया जाए। इसके साथ ही टीजर के सार्वजनिक प्रदर्शन और ऑनलाइन सर्कुलेशन पर अस्थायी रोक लगाने की भी मांग की गई है।

अगर पहली फिल्म में मेरा किरदार जीवित रहता तो 'बॉर्डर 2' में जरूर काम करता: सुनील शेट्टी

मुंबई/भाषा

अभिनेता सुनील शेट्टी 1997 में आई फिल्म बॉर्डर को अपने करियर की शानदार फिल्मों में से एक मानते हैं और उनका कहना है कि अगर फिल्म में उनके किरदार की मौत न हुई होती तो वह इसके सीक्वल में जरूर नजर आते। शेट्टी (64) सोमवार शाम को 'जाते हुए लम्हों' गाने के लॉन्च में शामिल हुए, जो युद्ध पर आधारित फिल्म 'बॉर्डर' के गाने का ही रीमेक है और इसे फिल्म 'बॉर्डर 2' में शामिल किया गया है। 'बॉर्डर 2' 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बॉर्डर 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध की वास्तविक घटनाओं पर आधारित थी जिसमें शेट्टी ने कैप्टन भैरों सिंह की भूमिका निभाई थी। सिंह भारतीय सेना में अधिकारी थे और युद्ध में शहीद हो गए थे। 'बॉर्डर' जेपी दत्ता ने बनाई थी। शेट्टी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैं इस फिल्म (बॉर्डर) को कभी नहीं भूलूंगा जब मुझे यह किरदार निभाने का प्रस्ताव मिला था तो मैं डर गया था। मुझे लगा कि क्या मैं इस किरदार को निभा पाऊंगा, क्योंकि पर्दे पर कोई काल्पनिक किरदार निभाना आसान है लेकिन असल जिंदगी का कोई किरदार निभाना बहुत मुश्किल है।

उन्होंने कहा, जब मुझे अपने किरदार की मौत वाला सीन मिला, तो मैं बहुत खुश था। देश के लिए मरने पर अच्छा लगता है। लेकिन पहली बार मुझे एहसास हुआ कि अगर मैं 'बॉर्डर' में जिंदा रहता, तो शायद 'बॉर्डर 2' का भी हिस्सा बनता। मुझे हमेशा वर्दी पहनने की इच्छा रही है। अनुराग सिंह द्वारा निर्देशित फिल्म 'बॉर्डर 2' में सनी देओल के साथ वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी सहित कई नए कलाकार दिखाई देंगे। शेट्टी ने कहा कि 2021 में आई फिल्म 'तड़प' से फिल्मी दुनिया में कदम रखने वाले उनके बेटे अहान को मौका देने के लिए वह फिल्म निर्माता के आभारी हैं।

सुनील शेट्टी ने कहा, यह उसकी (बेटे की) दूसरी फिल्म है और उसे इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अपनी दूसरी ही फिल्म में नौसेना अधिकारी की भूमिका निभाने का अवसर मिलना- और संभवतः भारतीय सिनेमा में चित्रित होने वाले पहले नौसेना अधिकारियों में से एक की भूमिका निभाना - वास्तव में खास है। मैं खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। वहीं, अहान शेट्टी ने फिल्म को बेहद खास बताया और उन्होंने अपने माता-पिता और सह-कलाकारों के प्रति आभार व्यक्त किया।

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' धारावाहिक के कलाकारों ने जयपुर में की पतंगबाजी

जयपुर/भाषा

'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' धारावाहिक के कलाकारों की टीम ने राजस्थान के जयपुर में बुधवार को मकर संक्रांति के मौके पर जमकर पंतगबाजी की। इस दौरान हवामहल के सामने एक शॉट की शूटिंग हुई, जिसे देखने के लिए लोग अपने-अपने घरों की छतों पर चढ़ गए। धारावाहिक के निर्माता असित मोदी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मैं पहली बार जयपुर आया हूं और जैसा इस शहर के बारे में मैंने सुना था उससे कहीं ज्यादा अच्छा शहर लगा। जयपुर में प्रवेश करते ही लगा जैसे राजे-रजवाड़ों के शहर में आ गए हैं। मोदी ने कहा कि उन्होंने हवामहल, नाहरगढ़, जयगढ़, सिटी पैलेस कई ऐतिहासिक जगहों और उनके इतिहास के बारे में जाना।

उन्होंने एक के बाद एक कलाकारों के यह धारावाहिक छोड़कर जाने के सवाल पर कहा कि जब भी कोई शो छोड़कर जाता है तो मैं दुखी होता हूं क्योंकि हम सब परिवार है और परिवार में थोड़ा मनमुटाव हो ही जाता है लेकिन शो सबके लिए खास है। मोदी ने कहा, मेरी धारावाहिक में काम करने वाले सभी से विनती है कि शो को मत छोड़िए। दर्शक उन्हें प्यार करते हैं। नए किरदार आते हैं तो दर्शकों को भी पुराने की कमी खलती हैं, हालांकि धीरे-धीरे दर्शकों भी आदत हो जाती है।

दुर्गा खोटे: हिंदी सिनेमा की पहली फ्रीलांस एक्ट्रेस, स्टूडियो की बंदिशें तोड़कर बनाई अलग राह

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी और मराठी सिनेमा के शुरुआती दौर में महिलाओं के लिए फिल्मों में काम करना आसान नहीं था। उस समय ज्यादातर कलाकार किसी एक स्टूडियो या प्रोडक्शन हाउस के साथ लंबे कॉन्ट्रैक्ट में बंधे रहते थे। ऐसे में किसी भी कलाकार के लिए स्वतंत्र रूप से कई कंपनियों के लिए काम करना मुश्किल और जोखिम भरा माना जाता था। दुर्गा ने इस डर को तोड़ा और भारतीय सिनेमा की पहली फ्रीलांस एक्ट्रेस बनकर साबित कर दिया कि महिला कलाकार भी अपने दम पर अपनी राह बना सकती हैं। उनके इस कदम ने न सिर्फ उन्हें अलग पहचान दी बल्कि आने वाली पीढ़ियों की महिलाओं के लिए रास्ता भी आसान किया। दुर्गा खोटे का जन्म 14 जनवरी 1905 को मुंबई में हुआ था। वह बचपन में पढ़ाई में काफी होशियार थीं। उन्होंने ग्रेजुएशन किया था। उस समय लड़कियों के लिए शिक्षा तक पहुंचना भी आसान नहीं था, लेकिन दुर्गा की शिक्षा ने उनके भविष्य की नींव रख दी।

17 साल की उम्र में दुर्गा की शादी विश्वनाथ खोटे से हुई। विश्वनाथ एक पढ़े-लिखे युवा थे। शादी के बाद दुर्गा के दो बेटे हुए, लेकिन उनके जीवन में दुख भी जल्दी आया। 26 साल की उम्र में उनके पति का निधन हो गया। अकेले दोनों बच्चों का पालन-पोषण करना दुर्गा के लिए चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने अपने बच्चों को संभालने के साथ-साथ आर्थिक रूप से खुद को मजबूत बनाने के लिए ट्यूशन पढ़ाने का काम शुरू किया। इसी दौरान उन्हें फिल्मों का मौका मिला। उनकी बहन के जरिए दुर्गा खोटे को 'फरेबी जाल' फिल्म में छोटी भूमिका मिली। उस समय समाज में फिल्मों में काम करना महिलाओं के लिए असभ्य माना जाता था, लेकिन दुर्गा ने अपने बच्चों और आत्मनिर्भर बनने के लिए यह कदम उठाया। इसके बाद उनकी मेहनत और प्रतिभा ने उन्हें लगातार नई भूमिकाओं में लाकर खड़ा किया।

दुर्गा खोटे ने फिल्मों में आने के बाद एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने स्टूडियो की कॉन्ट्रैक्ट प्रणाली को अस्वीकार कर कई कंपनियों के लिए काम करना शुरू किया। प्रभात फिल्म कंपनी के साथ काम करते हुए उन्होंने न्यू थिएटर, ईस्ट इंडिया फिल्म कंपनी और प्रकाश पिक्चर्स जैसी कंपनियों के लिए भी काम किया। इसी वजह से उन्हें भारतीय सिनेमा की पहली फ्रीलांस महिला कलाकार माना गया।

इस फैसले ने उन्हें न सिर्फ स्वतंत्र बनाया बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में महिलाओं की स्थिति भी बदल दी। उनका करियर लगभग 50 साल तक चला और इस दौरान उन्होंने हिंदी और मराठी में 200 से अधिक फिल्में कीं। उनके यादगार किरदारों में 'मुगल-ए-आजम' में जोधा बाई, 'मिर्जा गालिब' में मां का रोल, 'बॉबी' में दादी, और 'भरत मिलाप' जैसी कई हिट फिल्में शामिल हैं।

अभिनेता जीतेंद्र, बेटे तुषार ने एनटीटी को 559 करोड़ रुपये में बेची संपत्ति

मुंबई/भाषा

अभिनेता जीतेंद्र और उनके बेटे तुषार कपूर ने मुंबई के उपनगर में स्थित एक व्यावसायिक संपत्ति को जापान के एनटीटी समूह की एक इकाई को 559 करोड़ रुपये में बेचा है। रियल एस्टेट सलाहकार स्क्वायर यार्ड्स द्वारा मंगलवार को साझा किए गए पंजीकरण दस्तावेजों के अनुसार, एनटीटी ग्लोबल डेटा सेंटर्स ने बालाजी आईटी पार्क में 30,195 वर्ग मीटर से अधिक जगह 559.24 करोड़ रुपये में तुषार इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड से खरीदी है। तुषार इंफ्रा डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड का स्वामित्व तुषार कपूर तथा जीतेंद्र के पास है।

पंजीकरण नौ जनवरी को किया गया था। दस्तावेजों के अनुसार, इसमें उपनगरीय चांदिवली में स्थित आईटी पार्क में एक डेटा सेंटर वाली ग्राउंड सहित 10 मंजिला इमारत 'डीसी-10' और साथ ही उससे सटे हुए चार मंजिला 'डीजल जनरेटर' ढांचे की खरीद शामिल है। सरकार के 2024 के प्रस्ताव के अनुसार, इस बिक्री पर कोई स्टांप शुल्क नहीं देना होगा। 5.59 लाख रुपये का मेट्रो उपकर अदा किया जा चुका है।

एजी जैन स्कूल में पोंगल महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित एजी जैन हायर सेकेन्डरी स्कूल के परिसर में पारंपरिक श्रद्धा, सांस्कृतिक चेतना एवं उल्लासपूर्ण वातावरण के साथ पोंगल महोत्सव में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने सूर्य देव, प्रकृति तथा अन्नदाता कृषकों के प्रति कृतज्ञता भाव प्रकट किया। रंगोली निर्माण, लोकनृत्य तथा पारंपरिक वेशभूषा में सजे विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। विद्यालय की प्राचार्या डॉ जयश्री ने अपने संबोधन में पोंगल पर्व के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को भारतीय परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढढा एवं पत्राचारक हनुमान चंद बोथरा ने सभी को पोंगल की शुभकामनाएं दी।

प्रतिदिन पुण्य का काम भी करना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां आवड़ी जैन स्थानक में श्री कमलमुनिजी कमलेश ने14 जनवरी को अपने प्रवचन में कहा कि धर्म उपासना सेवा जैसे पवित्र काम कब करना, कितना करना कैसे करना, कौन से स्थान पर करना, जब तक ज्ञान और विवेक के द्वारा मूल्यांकन नहीं किया जाता तो अनर्थ का रूप भी ले सकता है।

भगवान महावीर ने कहा द्रव्य क्षेत्र कल और भाव चारों को मध्य नजर रखते हुए काम करता है तो कम समय में ज्यादा फल मिल सकता है। उन्होंने कहा कि संपूर्ण जनता सोचती है संक्रांति के दिन पुण्य करूंगा तो ज्यादा लाभ मिलेगा सभी लोग इसी दिन गौशाला आदि सेवा कार्यों में जाते हैं। एक ही दिन करने से ज्यादा पुण्य मिलेगा चाहे वह खराब हो जाए उसकी हमें परवाह नहीं क्या यही पुण्य है। जिस स्थान पर जिसका अभाव उसे स्थान पर समय किया गया कार्य पर्व से भी ज्यादा पुण्य वाला बनता है।

मुनि कमलेश ने बताया कि संक्रांति पर इतना घास गौशाला में पहुंच जाता है। जिसमें बहुत ज्यादा पांव के नीचे आता है आधा बर्बाद हो जाता है। कहीं पुण्य के स्थान पर प्राप्त नहीं कमा रहे हैं, विवेक के चक्षु बंद हुए पुण्य भी पाप में बदल जाएगा। हम प्रतिदिन रोटी खाते हैं तो प्रतिदिन पुण्य का काम भी करना चाहिए जैसे आत्मा में शुभ कर्मों का संचय होगा।

उन्होंने कहा कि भेड़चाल धर्म,समाज और देश को अंधकूप में धकेलती है। आने वाली पीढ़ी भ्रमित होकर गुमराह होकर गलत दिशा की ओर कदम बढ़ा लेती है। उस पाप के भागीदार कौन एक दिन करना और साल भर मुंह मोड़ लेना कौन से धर्म में लिखा है। सभी प्राणियों में जीव एक समान है उनकी सेवा में भेदभाव करना गाय को दूंगा ज्यादा पुण्य मिलेगा गधे को दूंगा तो कम मिलेगा यह अज्ञान दशा है। वास्तु और व्यक्ति नहीं उसके रहे हुए पीछे हमारे पवित्र अशुभ भाव शुभ भावों के द्वारा पुण्य और पाप का संचय होता है।

कर्मों का संचय करते हैं। क्रांतिकारी विचारों से प्रभावित होकर संघ प्रमुख चंपालाल बम मदनलाल बोहरा, महेंद्र रांका, गौतम अंचलिया, हीराचंद रांका सहित अनेक युवाओं ने संकल्प लिया हम अमावस्या और संक्रांति के अलावा सेवा के कार्य को प्राथमिकता देंगे। 15 जनवरी को वीरांगना सम्मान समारोह है।

आईएनएसवी कौंडिन्या मस्कट पहुंची

भारत-ओमान के पांच हजार साल पुराने समुद्री संबंधों हुए पुनर्जीवित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का पोत आईएनएसवी कौंडिन्या, पोरबंदर से अपनी पहली यात्रा सफलतापूर्वक पूरी करने के बाद ओमान की राजधानी मस्कट पहुँच गया है। यह भारत और ओमान की साझा समुद्री विरासत में एक महत्वपूर्ण क्षण है। बुधवार को पोर्ट सुल्तान काबूस में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी एवं जलमार्ग मंत्री (एमओपीएसडब्ल्यू) सर्बानंद सोनोवाल ने पोत और उसके चालक दल का स्वागत किया। पारंपरिक तरीके से निर्मित सिले हुए पाल वाले इस पोत की यात्रा दोनों देशों के बीच 5,000 वर्षों से अधिक पुराने गहरे समुद्री, सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों को उजागर करती है। यह सदियों से भारत और ओमान के बीच निरंतर संपर्क बनाए रखने में महासागरों की भूमिका को भी रेखांकित करती है। यह अभियान इसलिए भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि दोनों देश राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।

इस अवसर पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा, यह आयोजन केवल एक यात्रा का उत्सव नहीं है, बल्कि एक गहरे सभ्यतागत बंधन का प्रतीक है। इस सुगठित जहाज का मस्कट आगमन भारत-ओमान की उस अटूट मित्रता का प्रतीक है जो समय की कसौटी पर खरी उतरी है, इतिहास में निहित है, व्यापार से समृद्ध है और आपसी सम्मान से मजबूत हुई है। आईएनएसवी कौंडिन्या माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। भारत की प्राचीन जहाज निर्माण कला को पुनर्जीवित करना और उसे विश्व के समक्ष गौरवपूर्वक प्रस्तुत करना उन्हीं का संकल्प था। महान भारतीय नाविक कौंडिन्य के नाम पर नामित यह पोत भारत के स्वदेशी समुद्री ज्ञान, शिल्प कौशल और टिकाऊ पोत निर्माण पद्धतियों का प्रदर्शन करता है। इस परियोजना की परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी और इसे नौसेना वास्तुकारों, पुरातत्वविदों, पारंपरिक पोत निर्माण डिजाइनरों और कुशल जहाज निर्माताओं के सहयोग से भारतीय नौसेना द्वारा कार्यान्वित किया गया। अजंता गुफा चित्रों में चित्रित पांचवीं शताब्दी ईस्वी के एक पोत से प्रेरित होकर, आईएनएसवी कौंडिन्य का निर्माण प्राचीन भारतीय पोत निर्माण तकनीकों का उपयोग करके किया गया था, जिसमें आधुनिक कीलों या धातु के बंधनों के बिना सिले हुए तख्तों का निर्माण शामिल है।

बंदरगाह पर आयोजित स्वागत समारोह में ओमान के विरासत एवं पर्यटन मंत्रालय के पर्यटन मामलों के अवर सचिव महामहिम अज़्ज़ान अल बुसेदी, भारतीय नौसेना, रॉयल नेवी ऑफ ओमान, रॉयल ओमान पुलिस कोस्ट गार्ड तथा विभिन्न मंत्रालयों के वरिष्ठ गणमान्य अधिकारी उपस्थित थे। छात्रों सहित समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े एक बड़े भारतीय समुदाय ने उत्साहपूर्वक जहाज का स्वागत किया।

आधिकारिक स्वागत समारोह के दौरान पारंपरिक भारतीय और ओमानी सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं। केंद्रीय मंत्री ने भारत और ओमान के बीच समुद्री विरासत और संग्रहालयों पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का स्वागत करते हुए कहा कि इससे सहयोग गहराएगा और दोनों देशों के साझा समुद्री इतिहास को और समृद्ध करेगा। भारत और ओमान बेहतर संपर्क, सतत शिपिंग पहलों तथा बंदरगाहों, जहाज निर्माण और समुद्री परिवहन क्षेत्रों में बढ़ते सहयोग के माध्यम से समुद्री संबंधों को मजबूत करना जारी रखे हुए हैं।

गुणानुवाद सभा में मुनिवरों को भावभीनी श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री संकल्प श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ केएलपी के तत्वावधान एवं आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. के पावन सान्निध्य में बुधवार को पर्यायस्थवीर मुनिराज जिनशेखर विजयजी की 40वीं तथा मुनि निर्मोहचंद्र विजयजी की 9वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं भावनाओं के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित गुणानुवाद सभा में दोनों मुनिवरों के त्यागमय, संयमपूर्ण और प्रेरणादायी जीवन पर प्रकाश डाला गया।

सभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि मुनिराज जिनशेखर विजयजी महाराज चेन्नई के निवासी थे तथा पुझल स्थित केसरवाड़ी जैन तीर्थ के भूमि संपादन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने भावुक स्वर में कहा कि वे उनके परिवार में संपन्न हुई 17 दीक्षाओं के प्रेरणास्रोत रहे। आचार्यश्री ने बताया कि जिनशेखर विजयजी महाराज उनके सांसारिक नाना थे, जिन्होंने अपने जीवन को तप, साधना और स्वाध्याय से आलोकित किया। मुनि निर्मोहचंद्र विजयजी का स्मरण करते हुए आचार्यश्री ने कहा कि वे उनके सांसारिक पिता थे, जिनकी प्रेरणा से अनेक आत्माओं ने संयम जीवन को अपनाया। आचार्य भुवनभानु सूरिश्वरजी के एक वचन से प्रेरित होकर उन्होंने दीक्षा अंगीकार की। दीक्षा के प्रथम दिवस से ही उन्होंने सहनशीलता और सेवा को अपने जीवन का मूल सूत्र बनाया। वे छोटे-बड़े सभी की सेवा एवं सहायता के लिए सदैव तत्पर रहते थे।

उन्होंने कथाओं के माध्यम से भव्य आत्माओं के हृदय में वैराग्य के बीज बोए और उन्हें संयम मार्ग पर अग्रसर होने की प्रेरणा दी। अपने अंतिम समय में अहमदाबाद की पुण्य धरा पर नवकार मंत्र के स्मरण के साथ उत्तरायण पर्व के दिन समाधिमरण को प्राप्त हुए। सभा के अंत में उपस्थित श्रद्धालुओं ने दोनों मुनिवरों के चरणों में भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

कोयम्बटूर पहुंची साध्वी सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी बुदवार को मर्यादा महोत्सव हेतु तेरापंथ भवन में मंगल प्रवेश किया।स्वागत समारोह में तेरापंथ महिला मंडल की सदस्यों ने मंगलाचरण किया। सभा के उपाध्यक्ष धनराज सेठिया ने स्वागत भाषण दिया। महिला मंडल अध्यक्ष रूपकला भंडारी ने साध्वीश्री का परिचय प्रस्तुत किया। तेरापंथ ट्रस्ट के अध्यक्ष बच्छराज गिडिया, सभा मंत्री अजय बुद्या ने अपने विचार रखें। साध्वीश्री सिद्धप्रभा जी ने धर्म को उत्कृष्ट मंगल बताते हुए अपने प्रवास काल के दौरान सभी से ज्यादा से ज्यादा धर्म आराधना की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन कनक बुद्या ने किया। साध्वीश्री मलययशाजी, आस्थाश्रीजी, दीक्षाप्रभाजी ने सुमधुर गीतिका का गान कर लोगों को प्रेरित किया।

आत्मा की धन और संपत्ति है संस्कार : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजाजीनगर में विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाजी ने कहा कि संस्कार आत्मा की धन और संपत्ति है, जिनको पैसों से खरीदा नहीं जा सकता, बेचा नहीं जा सकता, इसके अभाव में तीन लोक की संपत्ति भी अभिशाप बन जाती है। संस्कार के माध्यम से ही धर्म, गुरु और परमात्मा का निर्माण होता है। उन्होंने कहा कि हमारे आचार, विचार, व्यवहार को देखकर ही आने वाली पीढ़ी में संस्कारों का निर्माण होता है। जो माता-पिता बच्चों के सामने गलत हरकतें करते हैं, व्यसन और बुराई का सेवन करते हैं वह अपने बच्चों केशत्रु हैं, खुद तो बर्बाद हो रहे हैं और और बच्चों का भविष्य अंधेरे में धकेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आत्मा अगले जन्म में जाती है तो संस्कार उसके साथ चलते हैं जो पुनर्जन्म के रूप में जागृत होते हैं। संस्कार जन्म जन्मांतर का निर्माण करता है। जैसे गीली मिट्टी को चाहे जैसा आकार दिया जा सकता है सूखने के बाद आकार देना संभव नहीं, वैसे ही बालपन को चाहे जैसा मोड़ा जा सकता है। संस्कारों की शुरुआत मां की गर्भ से शुरू हो जाती है उनकी छाप अमिट होती है, वीर अभिमन्यु इसका ज्वलंत उदाहरण है।

आईकैम्प

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई। यहां अविशा स्माइल्स डेंटल क्लिनिक में 35वा निशुल्क नेत्र शिविर बुधवार को लगाया गया।यह शिविर रमेश वनेचंद कारसिया, बेड़ा, मुंबई, के स्मृति में और अग्रवाल आई हॉस्पिटल के सहयोग से किया गया था। यह शिविर का संपूर्ण लाभ मीना, विनीत, रिकिता, श्रेया, शाहिलजी, विहारा, हृदांश, अयांश ने लिया। यह शिविर में रणजीत शाह, सुंदरलाल, डॉ. योगिता और हितेश का योगदान रहा। शिविर में 63 लोगों ने निशुल्क आंखों की जांच कराई। 18 लोगों को चश्मे दिए जाएंगे और 3 लोगों का नि:शुल्क मोतियाबिन्द का ऑपरेशन पोंगल के बाद कराया जाएगा। संस्थान द्वारा अगला नि:शुल्क शिविर 28 जनवरी को होने जा रहा है।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने आईआईटी मद्रास में पोंगल पर्व मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान बुधवार को यहां स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में पोंगल उत्सव में शामिल हुए। आईआईटी मद्रास ने श्री धर्मेंद्र प्रधान का हार्दिक स्वागत किया और पारंपरिक पोंगल उत्सव का आयोजन किया।धर्मेंद्र प्रधान कृतज्ञता, समृद्धि और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक फसल उत्सव मनाने के लिए संस्थान के परिसर सामुदायिक हॉल में आईआईटी मद्रास परिवार में शामिल हुए।

प्रधान ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए तमिलनाडु की जनता और देश भर में पोंगल का त्योहार मनाने वाले सभी लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की जीवंत संस्कृति का पर्याय बन चुका पोंगल समृद्धि, सद्भाव और एकजुटता की भावना को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने आईआईटी मद्रास परिवार के साथ पोंगल मनाने पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि यह त्योहार समृद्धि, स्नेह और एकजुटता की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कामना की कि यह अवसर सभी के लिए अच्छे स्वास्थ्य, सुख, शांति, समृद्धि और सद्भाव लेकर आए। इस कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव विनीत जोशी, आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रो. वी. कामाकोटि, संकाय सदस्य, छात्र, कर्मचारी और परिसर समुदाय के सदस्य उपस्थित थे।

स्नेह व मिठास का संदेश देता है मकर संक्रांति पर्व : पुलकित कुमार

मकर संक्रांति पर आध्यात्मिक मंत्र आराधना अनुष्ठान का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में मुनि डॉ पुलकित कुमारजी व आदित्य कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ सभा राजराजेश्वरीनगर के तत्वावधान में एमबीआर शांग्रिला अपार्टमेन्ट में आध्यात्मिक विकास हेतु आत्मिक शांति मंत्र आराधना अनुष्ठान का आयोजन किया गया। इस मौके पर पुलकित कुमारजी ने कहा, मकर संक्रांति का भारतीय संस्कृति में विशेष महत्व है। आज के दिन तिल और गुड़ का संयुक्त आहार ग्रहण किया जाता है। आज से सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण की तरफ तिल तिल रूप में बढ़ता जाता है। मुनिश्री ने अनुष्ठान आराधकों को प्रेरणा देते हुए कहा कि तिल में स्नेह होता है उसी तरह दिल में भी स्नेह भाव रहना चाहिए। गुड़ में मिठास होती है उसी तरह व्यक्ति के मुख में और व्यवहार में मिठास होनी चाहिए।मकर संक्रांति त्योहार ठंड के मौसम में आता है उसी तरह व्यक्ति का दिमाग भी ठंडा रहना चाहिए, तभी वह सब का चहेता बन सकता है। परिवार में अड़ोस-पड़ोस में जितना स्नेह भाव, जितनी मधुरता रहेगी उतना ही व्यक्ति क्लेश भावों से बचा रहेगा, क्रूरता भीतर में प्रवेश नहीं करेगी। शांतिपूर्वक जीवन जीने का यही मंगल मंत्र है।

मुनि आदित्य कुमार जी ने मंत्र आराधना करवाते हुए प्रेरणा प्रदान की तथा ज्ञान केंद्र, शांति केंद्र, दर्शन केंद्र, ज्योति केंद्र, प्राणकेंद्र, आनंद केंद्र आदि शरीर के चैतन्य केंद्रों पर ध्यान करवाया एवं संकल्प युक्त विविध जैन मंत्रों की आराधना संपन्न करवाई। तेरापंथ धर्मसंघ के गायक मनीष पगारिया ने भावपूर्ण गीतों की प्रस्तुति दी। आरआर नगर के सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत किया।

जितेंद्र घोषल ने मुनिश्री को साध्वी पुण्ययशा जी की पुस्तक 'नवकार महामंत्र : एक अनुशीलन' की एक प्रति भेंट की। तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर मंत्री विजेता रायसोनी ने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम का संचालन आरआर नगर सभा मंत्री गुलाब बाँठिया ने किया। आभार ज्ञापन मीना डोसी ने किया। मंत्र आराधना अनुष्ठान में जैन समाज के श्रावक-श्राविका अच्छी संख्या में उपस्थित थे। इस अवसर पर केंगेरी से सुरेश दक, तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय सहमंत्री मधु कटारिया, आरआर सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद, राजेश छाजेड़, सहमंत्री सुशील भंसाली(छापर), युवक परिषद अध्यक्ष विक्रम महेर, मंत्री संदीप बैद, महिला मंडल अध्यक्ष मंजू बोथरा, उपाध्यक्ष ममता दुगड़, गांधीनगर महिला मंडल अध्यक्ष लक्ष्मी बोहरा आदि अनेक श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.